सांसद डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता.. 05

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विद्या बालन की चर्चित फ्रेंचाइजी.... 11

वर्ष - 02, अंक - 120 | गाजियाबाद / रविवार 02 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

चढ़ावा चोरी का 'नाटक' करने पर राहुल-पप्पू यादव पर एफआईआर

- लखनऊ में हिंदूवादी नेता बोला-पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देंगे

लखनऊ/वाराणसी (एजेंसी)। दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के सांकेतिक नाटक को लेकर यूपी में बवाल बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुआ। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर

जगदगुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। राहुल-अखिलेश के मुखौटे पहने लोगों पर चप्पलें बरसाईं। संगठन ने पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया। मथुरा में साधु-संतों ने पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की। बता दें कि शुक्रवार को संसद के बाहर पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे थे।

पटियाला में चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध किया

चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए, हूटिंग भी की

जालंधर/पटियाला (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और प्रदेश प्रधान अमरिंदर राजा वड़िंग के बीच की गुटबाजी अब वर्करों में भी पहुंच गई है। शनिवार को पटियाला के समाना में कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध कर दिया। उन्होंने वड़िंग की हूटिंग करते हुए चन्नी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। यहां राजा वड़िंग ने जैसे ही बोलना शुरू किया तो समर्थकों ने चन्नी के हक में नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने 'चन्नी लियाओ-पंजाब बचाओ', चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए। इससे राजा वड़िंग भड़क गए,

उन्होंने पूछा कि क्यों नारे लगा रहे हो। जिसने पार्टी का प्रोग्राम खराब किया, उसके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी। पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने प्रभारी भूपेश बघेल के दौरे का बायकॉट कर रखा है। पंजाब में बूथ मजबूत करने की ये मुहिम प्रधान राजा वड़िंग की अगुआई में चलाई जा रही है। जिस वजह से चन्नी और उनके साथ चल रहे सांसद सुखजिंदर रंधावा भी इस मुहिम से दूर हैं। कल शुक्रवार को भी फतेहगढ़ साहिब में हुए कार्यक्रम में चन्नी नहीं पहुंचे थे। यहां सिर्फ राजा वड़िंग व उनके गुट के नेता ही मौजूद थे। यहां प्रधान राजा वड़िंग ने दावा किया था कि एएपी के 6 सांसदों के बाद अब 40 से 45 विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं, उन्हें लग रहा है कि 2027 के चुनाव में उनकी टिकट काटी जा सकती है। इस बारे में सीक्रेट मीटिंग भी हो चुकी है। राजा वड़िंग को दोबारा कमान सौंपे जाने के बाद से नाराजगी है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट

पीएम को गाली देने वाली लड़की ने मांगी माफी

- कहा-मैं 15 साल की, मेरी पहली और आखिरी गलती
- दीपके आए सामने, बोले-क्या केस भी वापस होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगने का वीडियो जारी किया है। उसने कहा, 'मैं सिर्फ 15 साल की हूं, यह मेरी पहली और आखिरी गलती थी। मैं बहकावे में आ गई थी।' वीडियो सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने शनिवार को पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' लड़की के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में केस दर्ज हुआ था। इधर, पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की थी। इसमें उन्होंने कहा था, 'मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह लड़की हाथ जोड़कर अपने बयान पर माफी मांगती नजर

आ रही है। वीडियो में लड़की कहती है, 'मैं 15 साल की हूं। अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी। वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। मैं उसी माहौल और भीड़ के बहकावे में आ गई।'

मोदी रील में बोले-

भटके बच्चों को माफ करना चाहता हूं

पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की। उन्होंने कहा बचपन में गलतियां होती हैं। बचपन की गलतियों को सुधारने का अवसर भी होता है। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है, इन्हें माफ करना चाहता हूं। यह पिछले 9 दिनों में पीएम का 5वां वीडियो है। रात 11 बजे जारी किए गए वीडियो को 30 मिनट में 13 लाख लोगों ने लाइक किया।

ई 20 फ्यूल का विरोध

केजरीवाल पीएम आवास तक अब निकालेंगे मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को ई 20 फ्यूल के मुद्दे पर 'नेशनल टाउन हॉल' किया। एएपी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे 3 अगस्त की दोपहर को याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ 4 अगस्त को लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम नरेंद्र मोदी के आवास तक मार्च का नेतृत्व करेंगे। केजरीवाल ने टाउनहॉल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है। आज के टाउन हॉल में लोगों ने तीन मांगें रखी। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों के पास चुनाव करने का विकल्प हो।

12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

- पीएम मोदी बोले, आंध्र प्रदेश में विकास परियोजनाओं की शुरुआत की
- कहा-पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे, हमने परंपरा बदली

अमरावती (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने कहाकि पिछले 12 साल में देश में 74 से बढ़कर अब 166 एयरपोर्ट हो गए हैं। पीएम ने दोपहर 3.30 बजे कर्नाटक के मैसूरु में श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र-विवेक स्मारक का उद्घाटन भी किया। पीएम ने कहा-आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में एनडीए की पूरी टीम डबल स्पीड से काम कर रही है।

हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी। पीएम ने कहा- पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा, और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया

मोदी ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है। आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने उतारा दोस्त रूस का कर्ज

- प्रतिबंधों के बीच बना तारणहार, भड़क सकता है यूरोप

मास्को/नई दिल्ली/कीव (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच दोस्ती सोवियत जमाने से ही दुनिया में एक मिसाल है। साल 1971 का बांग्लादेश युद्ध हो या भारत का परमाणु विस्फोट, रूस भारत के साथ हमेशा खड़ा रहा। आज भी भारत के करीब 65 फीसदी हथियार रूसी मूल के हैं। अब यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस जंग

में बुरी तरह से फंस गया है और लाखों की तादाद में रूसी सैनिक हताहत हुए हैं। रूस के लिए महासंकट की इस घड़ी में भारत ने रूस का पुराना कर्ज एक तरह से उतार दिया है। भारत अमेरिका के 100 फीसदी टैरिफ के खतरे के बाद भी न केवल रूस से जमकर तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे ऐसे 50 हजार बेहद जरूरी सामानों का भी निर्यात कर रहा है जो उसे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से नहीं मिल पा रहे हैं। भारत के सप्लाई चेन की मदद से रूस आगे बढ़ रहा।

भारत और रूस दोस्ती दशकों पुरानी

स्ट्राइडर कंपनी के शोधकर्ताओं ने 50 हजार कंट्रोल्ड या संवेदनशील सामनों को तीसरे देशों में ट्रैक किया जो यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद भारत के रास्ते रूस जा रहा है। कंपनी का कहना है कि ये यूरोप में बने सामान हैं जो भारत के रास्ते रूस जा रहे हैं। इन सामानों के बारे में पहली बार खुलासा हुआ है। इन सामानों में इलेक्ट्रानिक, मशीनरी, ट्रांसपोर्ट के सामान, मेटल और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन सामानों में कई तो दोहरे इस्तेमाल वाले हैं या संवेदनशील उपकरण माने जाते हैं। इस शोध में दावा किया गया है कि यूरोप या ब्रिटेन के सामानों को भारत में असेंबल करके उसे रूस भेजेंगे।

टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा अमेरिका

विश्लेषकों का कहना है कि अब भारत भी रूस की मदद कर उसका कर्ज उतार रहा है। भारत के इस रुख से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं। अमेरिका में तो सीनेट में बिल पेश हुआ है जिसमें कहा गया है कि रूस से तेल आयात करने वाले भारत और चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। कई एक्सपर्ट का कहना है कि मेक इन इंडिया नीति की वजह से भारत अब इतना बड़ा ग्लोबल सोर्सिंग का हब बन गया है जिसका यूरोपीय देशों के पास भी विकल्प नहीं है। भारत और रूस के बीच अब कुल व्यापार करीब 70 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत और रूस इसे साल 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत और रूस के बीच व्यापार अभी और बढ़ने जा रहा है।

घाटी में 2 हिंदू मजदूरों की गोली मारकर हत्या

आतंकियों ने नाम पूछकर फायरिंग की, दोनों छत्तीसगढ़ के

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल

साइंस में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र के रूप में हुई है। बता दें कि 22 अप्रैल 25 को पहलगाम में हमला हुआ था।

एक आतंकी के पाकिस्तानी होने का शक

सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसियों को हमले में एक स्थानीय और एक पाकिस्तानी आतंकी के शामिल होने का शक है। शुरुआती जांच का फोकस मोहम्मद लतीफ पर है। वह पिछले साल टीआरएफ में शामिल हुआ था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि मृतकों के परिवार को पहले से दिए जा रहे 6 लाख के मुआवजे को बढ़ाया जाएगा।

भट्ठे पर काम करने वाले यही दोनों हिंदू थे

अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि एक बाइक पर 2 आतंकी आए थे। इनके आतंकी गुट लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के होने का अनुमान है। दरअसल, नॉन लोकल को निशाना बनाता रहा है।

संदिग्ध आतंकी की दोस्त साहिबगंज से गिरफ्तार

- हनीट्रैप के जरिए संवेदनशील जानकारी जुटाने का आरोप
- जैश की सदस्य, पश्चिम बंगाल एसटीएफ अपने साथ ले गई

साहिबगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र से 21 वर्षीय अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। स्त्रस्न का दावा है कि अर्पिता हमीम मंडल के संपर्क में। अर्पिता की भूमिका की जांच एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल

के बर्धमान ले जाया गया है। एसटीएफ के अनुसार, गुरुवार को पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार हमीम मंडल से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। एजेंसी का कहना है कि दोनों के बीच कई वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल संवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि दोनों सामान्य फोन कॉल के बजाय एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क में रहते थे।

पीएम मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा के हर फैसले में अजीत डोभाल

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनएसए अजीत डोभाल की तगड़ी तारीफ की है। पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 प्रदान करने के मौके पर शाह ने कहा कि मुझे खुशी है कि तिलक स्मारक ट्रस्ट ने अजीत डोभाल को तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना। 2014 में पद संभालने के बाद पीएम मोदी ने जो पहला चयन किया, वह अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के हर फैसले में अजीत डोभाल की पर्दे के पीछे भूमिका और सलाह रही है। शाह ने इसके साथ ही लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को याद किया है। उन्होंने कहा कि आज उनकी 106वीं पुण्यतिथि है। मैं गहरे सम्मान के साथ तिलक महाराज को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी को याद किया

अमित शाह ने कहा कि जब भी मैं आंखें बंद करके उन्हें पुणे की पारंपरिक पगड़ी पहने हुए गर्व के साथ वह घोषणा करते हुए सोचता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि वह कितना शानदार और प्रेरणादायक पल रहा होगा जब उन्होंने वे अमर शब्द कहे थे। इसी धरती से छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की घोषणा की थी।

द्वितीय पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

(स्वर्गीय श्री रामकिशन शर्मा जी)

(स्वर्गवास दिनांक 02 अगस्त 2024)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चौनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः॥

(श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय 2, श्लोक 23)

श्लोक अर्थः

इस आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते, आग इसे जला नहीं सकती,
पानी इसे गीला नहीं कर सकता, और वायु इसे सुखा नहीं सकती।

भावार्थः

आत्मा शाश्वत है यह भौतिक साधनों से नष्ट नहीं होती
शरीर तो नश्वर है, पर आत्मा अविनाशी है।

समस्त राष्ट्रीय शिखर परिवार

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हरनंदीपुरम योजना को मिली बड़ी रफ्तार: ₹943.37 करोड़ की अवशेष सीड कैपिटल स्वीकृत

मुख्यमंत्री शहरी विस्तार योजना के तहत मिली वित्तीय मंजूरी; 501 हेक्टेयर में आकार लेगी आधुनिक समेकित टाउनशिप

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) की महत्वाकांक्षी 'हरनंदीपुरम योजना' को उत्तर प्रदेश सरकार से बड़ा वित्तीय संबल मिला है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार / नये शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ₹943.37 करोड़ की अवशेष सीड कैपिटल को मंजूरी दे दी है। 31 जुलाई 2026 को जारी शासनादेश के बाद इस ड्रीम प्रोजेक्ट के भूमि अर्जन और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को पंख लग गए हैं।

आठ गांवों की 501 हेक्टेयर जमीन पर बसेगा नया शहर

हरनंदीपुरम योजना जीडीए की अब तक की सबसे बड़ी और दूरदर्शी आवासीय टाउनशिप परियोजनाओं में से एक है।

- **विस्तार: यह परियोजना लगभग 501 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली होगी।**
- **शामिल गांव: मथुरापुर, शमशेर, चम्पतनगर, भनेड़ा खुर्द, नगला फिरोज मोहनपुर, भोवापुर, शाहपुर निज मोर्टा और मोर्टा।**
- **प्रथम चरण: योजना का पहला चरण लगभग 48 हेक्टेयर भूमि पर जल्द शुरू करने की तैयारी है।**

विश्वस्तरीय सुविधाएं और हरित मॉडल

इस योजना का मुख्य उद्देश्य केवल मकान उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि एक अत्याधुनिक, सुव्यवस्थित और सतत शहरी मॉडल स्थापित करना है।

मुख्य आकर्षण: गुणवत्तापूर्ण चौड़ी सड़कें, निर्बाध जलापूर्ति, आधुनिक सीवरेज व विद्युत नेटवर्क, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और विशाल ग्रीन बेल्ट।

शासनादेश के अनुसार, परियोजना में पर्यावरण संरक्षण, भू-जल संवर्धन और सख्त गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। भूमि अर्जन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और विधिक प्रावधानों के तहत संपन्न होगी।

कनेक्टिविटी से बदलेगी गाजियाबाद की सूरत

राजनगर एक्सटेंशन के समीप स्थित यह टाउनशिप दिल्ली-एनसीआर के सबसे तेजी से उभरते क्षेत्र में शामिल है। इसे बेहतरीन कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा:

- **नमो भारत (RRTS) व मेट्रो कनेक्टिविटी**
- **प्रमुख एक्सप्रेसवे एवं प्रस्तावित आउटर रिंग रोड**

जीडीए का मानना है कि यह वित्तीय स्वीकृति हरनंदीपुरम को दिल्ली-एनसीआर की एक विश्वस्तरीय एकीकृत टाउनशिप बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे भविष्य में हजारों परिवारों को आधुनिक नागरिक सुविधाएं और बेहतर जीवन-शैली मिलेगी।

तहसील दिवस में 105 शिकायतें दर्ज, 17 का मौके पर निस्तारण, डीएम ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर बांटी पोषण सामग्री

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया। पूरे जनपद में कुल 105 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 17 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इससे पूर्व हापुड़ तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी कविता मीना ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई तथा उन्हें फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां और पोषण किट वितरित की। आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार और प्रसव पूर्व देखभाल की जानकारी भी दी। हापुड़ तहसील में आयोजित समाधान दिवस में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जनसुनवाई करते हुए 35 शिकायतों में से छह का तत्काल निस्तारण कराया। शिकायतों में खतौनी, वरासत, सीमांकन, दाखिल खारिज, अतिक्रमण, भूमि विवाद, मारपीट, शांति व्यवस्था, साइबर ठगी, पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क, विद्युत और पेयजल से जुड़े मामले प्रमुख रहे। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा भूमि विवादों का राजस्व और पुलिस विभाग के समन्वय से समाधान कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई तथा कांवड़ यात्रा के दौरान शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। गढ़मुक्तेश्वर तहसील में 34 शिकायतों में छह तथा धौलाना तहसील में 36 शिकायतों में पांच का मौके पर निस्तारण किया गया।

कावड़ यात्रा की तैयारियों पर प्रशासन सख्त, सभी मजिस्ट्रेटों को क्षेत्र में सक्रिय रहने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। सावन माह की कावड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को पिलखुआ स्थित सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में मजिस्ट्रेटों एवं जोनल मजिस्ट्रेटों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कावड़ मार्ग, शिवालयों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने अपने सेक्टर में लगातार भ्रमणशील रहें तथा ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन हर समय चालू रखें। उन्होंने निर्देशित किया कि सरस्वती इंस्टीट्यूट सहित अन्य अस्पतालों में कावड़ियों के उपचार के लिए विशेष वार्ड, पर्याप्त दवाइयों का भंडार, एंबुलेंस और चिकित्सकों की

चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कावड़ मार्ग पर प्राथमिक उपचार शिविर स्थापित किए जाएं तथा संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे। इसके साथ ही रूट डायवर्जन, वाहन पार्किंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, टेंट तथा नियमित सफाई एवं कूड़ा निस्तारण की व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रहे और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाए। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा जनपद की आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, इसलिए इसकी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सरस्वती इंस्टीट्यूट के निदेशक तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोविंदपुरी-सारा मार्ग के चौड़ीकरण की मांग पर प्रदर्शन, समाधान दिवस में गूंजे जनसमस्याओं के मुद्दे

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गोविंदपुरी सारा मार्ग के चौड़ीकरण और मरम्मत की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने तहसील मुख्यालय पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में प्रदर्शन किया। ग्रामीण और स्थानीय नागरिक पहले गोविंदपुरी सारा मार्ग पर एकत्र हुए, इसके बाद नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में तहसील पहुंचे और उपजिलाधिकारी कोमल पवार को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मार्ग पर भारी आवागमन रहता है, लेकिन दोनों ओर किए गए अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है। इसके साथ ही सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों और वाहनों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका परिषद की ओर से मार्ग चौड़ीकरण के लिए पहले ही निशानदेही की जा चुकी है, लेकिन अतिक्रमण करने वाले इसका विरोध कर रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी ने नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक अंकित चौधरी को मौके पर बुलाकर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी की नजर दिव्यांग एवं विधवा महिला सुमित्रा पर पड़ी। महिला ने बताया कि केवाईसी पूरी न होने के कारण उसे पिछले महीने निर्धारित मात्रा से पांच किलोग्राम कम राशन मिला। इस पर उपजिलाधिकारी ने तत्काल खाद्य एवं रसद विभाग की अधिकारी दीपा वर्मा को बुलाकर महिला की केवाईसी पूरी कराई और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार राशन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कम राशन वितरित करने वाले उचित दर विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसी दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा और बृजेश सेन ने निजी विद्यालयों में महंगी निजी प्रकाशकों की पुस्तकों के स्थान पर एनसीईआरटी की पुस्तकें लागू कराने की मांग उठाई। वहीं अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर की जर्जर सड़कों तथा अधूरे पड़े शौचालय निर्माण का मुद्दा उठाते हुए शीघ्र सुधार की मांग की। उपजिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने का आश्वासन दिया।

इंदिरापुरम पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग का किया खुलासा, 1 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की एक घटना का सफल खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। अभियुक्त की पहचान मनीष रावत पुत्र प्रेम सिंह रावत निवासी ब्रिज विहार थाना लिंक रोड गाजियाबाद के रूप में हुई है और उसकी उम्र लगभग 26 वर्ष है। बीती 2 जुलाई 2026 को थाना इंदिरापुरम में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें अज्ञात बदमाश द्वारा एक व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनकर फरार होने की सूचना दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटना के अनावरण के लिए टीम का गठन किया, जिसके बाद मनीष रावत को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिल चोरी की है, जिसे उसने अपने साथी शिवम के साथ मिलकर दिल्ली की दिलमिल कॉलोनी से चोरी किया था। वह और उसका साथी मोटरसाइकिल बदल-बदलकर गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली क्षेत्र में लूट, चोरी और मोबाइल स्नैचिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। करीब दो माह पहले उसने और उसके साथी ने इंदिरापुरम स्थित विंडसर पार्क के पास रात के समय एक व्यक्ति से सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन छीना था। बाद में दोनों आरोपियों ने वह मोबाइल दिल्ली में एक राहगीर को बेच दिया और उससे प्राप्त रकम आपस में बांटकर खर्च कर दी। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मोबाइल स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए 1 अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकी 1 अभियुक्त अभी फरार है। फरार अभियुक्त की तलाश की जा रही है। पकडे गए अभियुक्त के खिलाफ दिल्ली में चोरी के 35मुकदमे दर्ज हैं, जबकि इंदिरापुरम में छिनैती का 1 मामला दर्ज है। पुलिस उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था मजबूत करने के दिए निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने शनिवार को पल्लवपुरम स्थित कांवड़ मार्ग, मोदीपुरम के सीसीटीवी एवं वायरलेस उप नियंत्रण कक्ष तथा अस्थायी पुलिस चौकी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) ब्रजेश कुमार, पुलिस अधीक्षक (नगर) विनायक गोपाल भोंसले, क्षेत्राधिकारी दौराला शिव ठाकुर तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कांवड़ मार्ग पर यातायात प्रबंधन, मार्ग परिवर्तन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की गहन समीक्षा की गई। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कैमरों की दृश्य फीड जोड़ने, वायरलेस संचार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी के पास वायरलेस सेट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ मार्ग के सभी कटों पर 'धीरे चलें' के संकेतक बोर्ड और अतिरिक्त दिशा निर्देशक पट्टिकाएं लगाने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने तथा उद्घोषक यंत्र के माध्यम से लगातार यातायात और सुरक्षा संबंधी घोषणाएं कराने को कहा। साथ ही महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, शहर के प्रमुख मार्गों को जाममुक्त रखने तथा सभी राजपत्रित अधिकारियों को त्वरित प्रतिक्रिया दल के साथ नियमित भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निर्बाध आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर मंथन, श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था पर दिया गया जोर

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों से कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव आमंत्रित किए गए। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात प्रबंधन और आवश्यक नागरिक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, साफ-सफाई, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक इंतजामों की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएंगी, ताकि कांवड़ियों को

किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर की यातायात व्यवस्था को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने कांवड़ यात्रा के दौरान बुआड़ा रोड, मुख्य चौपला, सैनी नगर तथा बुढ़ाना तिराहे पर यातायात के लिए कट खुले रखने की मांग उठाई, जिससे स्थानीय नागरिकों की आवाजाही प्रभावित न हो। उपजिलाधिकारी ललित मिश्रा ने कहा कि प्रशासन कांवड़ यात्रा को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा देते हुए आमजन से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने कांवड़ मार्ग पर चिकित्सा दल, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बैठक में तहसीलदार अरविन्द कुमार, कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, विद्युत विभाग, विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपत्ति विवाद में महिला पर फायरिंग का आरोप, कोर्ट के आदेश पर चार भाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला ने अपने दो सगे भाइयों सहित चार लोगों पर घर में घुसकर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नई मंडी गिरधारीनगर निवासी कविता सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि एक जून 2026 की रात वह अपने घर में सो रही थीं। आहट होने पर जब वह दूसरे कमरे में पहुंचीं तो देखा कि उनके भाई चंद्रशेखर, सरदार भगत सिंह तथा चचेरे भाई गुड्डू और बिट्टू दीवार फांदकर घर में घुस आए थे। आरोप है कि लाइट जलते ही आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और सरदार भगत सिंह ने उन पर फायर कर दिया। गोली खिड़की की जाली तोड़ते हुए अंदर आई, लेकिन समय रहते नीचे झुक जाने से उनकी जान बच गई। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता का यह भी आरोप है कि संपत्ति के लालच में आरोपी पहले भी उन पर हमला कर चुके हैं। तीन मई 2026 को मेरठ के काजीपुर स्थित पैतृक घर में आरोपियों ने उन्हें और उनकी मां को बंधक बनाकर मारपीट की थी तथा सोने का कंगन, 50 हजार रुपये और मोबाइल भी लूट लिया था। थाना प्रभारी निरीक्षक पारस मलिक ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर चंद्रशेखर, सरदार भगत सिंह, गुड्डू और बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

कोर्ट परिसर में वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल करने का मामला, तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में प्रतिबंधित क्षेत्र की वीडियोग्राफी कर उसे भ्रामक कैप्शन के साथ इंस्टाग्राम पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने एक नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के पेशकार अरुण कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ बाहरी लोगों ने न्यायालय कक्ष, आंतरिक परिसर तथा पीठासीन अधिकारी के चेंबर में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर वीडियो बनाई। इसके बाद वीडियो को भ्रामक टैगलाइन के साथ इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया गया। तहरीर में कहा गया है कि इस कृत्य से न्यायालय की गोपनीयता भंग हुई तथा न्यायिक प्रक्रिया की संवेदनशीलता प्रभावित हुई। वीडियो वायरल होने के बाद न्यायालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर इंस्टाग्राम अकाउंट "विजय डोगर" के संचालक सहित दो अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि न्यायालय परिसर में बिना अनुमति फोटो और वीडियो बनाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन कर वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। पुलिस वीडियो अपलोड करने वालों की पहचान कर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व भी एक व्यक्ति ने न्यायालय परिसर में प्रवेश कर न्यायाधीश और अन्य अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए थे।

कांवड़ यात्रा में जल सुरक्षा का अभ्यास, पुतले के माध्यम से किया गया बचाव अभियान का प्रदर्शन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित जल दुर्घटनाओं से त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने शनिवार को गंगनहर अलकनंदा पुल स्थित स्नान घाट के निकट पुतले के माध्यम से मॉक ड्रिल आयोजित की। इस दौरान पुलिस, प्रशासन, जल पुलिस और राहत-बचाव दल ने संयुक्त रूप से नहर में डूब रहे व्यक्ति को सुरक्षित निकालने की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। अभ्यास के लिए पहले एक पुतले को नहर में डाला गया और इसकी सार्वजनिक घोषणा की गई। सूचना मिलते ही मौके पर तैनात जल पुलिस की टीम मोटरबोट के साथ घटनास्थल पर पहुंची और निर्धारित समय के भीतर पुतले को पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मॉक ड्रिल का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक (नगर) अमृत सिंह ने किया। बचाव दल ने डूब रहे व्यक्ति को बाहर निकालने, प्राथमिक उपचार देने और तत्काल अस्पताल भेजने की संपूर्ण प्रक्रिया का अभ्यास किया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य किसी वास्तविक आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और राहत एवं बचाव कार्यों की गति बढ़ाना है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि नहरों और गहरे जल क्षेत्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरतें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को दें। इसके अलावा कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निजी एंबुलेंसों को भी कांवड़ मार्ग पर तैनात किया गया। अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंसों को रवाना किया, ताकि किसी भी श्रद्धालु के अस्वस्थ होने या अन्य आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

हरिद्वार से अब तक 45 .35 लाख शिवभक्त जल लेकर हुए रवाना, शनिवार शाम तक 20 .25 लाख कांवड़िए पहुंचे

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार से शिवभक्तों का अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान लगातार जारी है। मीडिया सेल द्वारा जारी सूचना के अनुसार शनिवार शाम छह बजे तक केवल एक दिन में लगभग 20 लाख 25 हजार शिवभक्त पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो चुके थे। वहीं कांवड़ मेले की शुरूआत से लेकर शनिवार शाम छह बजे तक कुल 45 लाख 35 हजार शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों और जनपदों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा भीड़ नियंत्रण के व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल, चिकित्सा दल और अन्य आवश्यक सेवाएं तैनात हैं, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं सुगम बनी रहे। प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ को नियंत्रित रखने तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कांधला हत्याकांड का खुलासा, संयुक्त कार्रवाई में एक आरोपी गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। कांधला थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। स्वाट, सर्विलांस टीम और कांधला थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को पकड़कर उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीमों ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, तकनीकी जांच और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिस की प्राथमिकता है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

वंदे मातरम् पढ़ने या गाने में आपत्ति नहीं, मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है

बिल को मंजूरी मिलने के बाद अरशद मदनी ने कुछ हिस्सों को लेकर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे मातरम् बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद देश में सियासी बहस तेज हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा में बिल को मंजूरी मिलने के बाद अब यह मुद्दा हिंदू-मुस्लिम बहस के केंद्र में आ गया है। मुस्लिम संगठनों ने इस बिल पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान में दिए गए धार्मिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बिल का विरोध किया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बिल के कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरशद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता। मदनी ने कहा कि वंदे मातरम् के कुछ हिस्से इस्लामी आस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए किसी भी मुसलमान को इसे गाने या स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

मदनी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता और अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने अनुच्छेद 19 का जिक्र करते हुए कहा कि यह नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। मदनी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम् को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाना धार्मिक और संवैधानिक स्वतंत्रता पर हमला है। किसी विशेष धार्मिक विचार या मान्यता को देश के सभी नागरिकों पर लागू नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक बिल का विरोध करने वाले मुस्लिम नेता और धार्मिक संगठनों का कहना है कि इसे लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को प्रभावित कर सकता है। मदनी ने बिल पर बात करते हुए कहा कि देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक चुनौतियां, किसानों की समस्याएं और युवाओं के भविष्य जैसे बड़े मुद्दे हैं। ऐसे समय में संसद को इन जरूरी विषयों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं का आरोप है कि यह बिल मुसलमानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। वहीं, बिल के समर्थकों का कहना है कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत को सम्मान और कानूनी संरक्षण देना है। बता दें वंदे मातरम् बिल को अब राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसके बाद ही यह तय होगा कि यह कानून के रूप में कब लागू होगा।

दिल्ली के आसमान में 2 से 16 अगस्त तक नहीं उड़ेंगे ड्रोन

-छोटे हवाई प्लेटफॉर्म पर भी लगा पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला सुरक्षा खतरों की आशंका और खुफिया इनपुट के मद्देनजर लिया गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा। इसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में भी आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे किसी भी खतरे को पहले ही खत्म करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। बीएनएसएस के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऊपर पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंगग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, रिमोट से संचालित विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा जंपिंग आदि जैसे गैर-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों की उड़ान पर रोक लगाई जाती है। दिल्ली पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि इस निर्देश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

कांगो से लौटे बीएसएफ के जवान में दिखे इबोला के लक्षण

-11 हजार से अधिक यात्रियों की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में इबोला वायरस के मंडराते खतरे के बीच भारत भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) से लौटे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक 52 वर्षीय जवान में इबोला के संदिग्ध लक्षण दिखने के बाद हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर जवान को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के विशेष इबोला आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि देश में अभी तक इबोला के एक भी कन्फर्म मामले की पुष्टि नहीं हुई है और सरकार स्थिति पर मुस्तैदी से नजर बनाए हुए है। संदिग्ध लक्षणों वाला यह बीएसएफ जवान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशन का हिस्सा था और 11 जुलाई को कांगो से भारत लौटा था। प्रभावित क्षेत्र से आने के कारण नियमों के तहत जवान को एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन में 21 दिनों के अनिवार्य क्वारंटीन में रखा गया था। क्वारंटीन के 20वें दिन जवान को अचानक तेज बुखार और बदन दर्द की शिकायत हुई, जो इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षण माने जाते हैं। प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए मरीज को अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। जवान के खून के नमूने जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजे गए हैं और फिलहाल रिपोर्ट का इंतजार है।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा फिर रुकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर अमरनाथ यात्रियों की रफ्तार को रोक दिया है। खराब मौसम और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) के बंद होने के कारण शनिवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं का नया जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया जा सका। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई है। जानकारी के अनुसार, करीब 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार दूसरे दिन बंद रहा। उधमपुर जिले के लधा-समरोली क्षेत्र में सड़क की मरम्मत का कार्य चल रहा है। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश से सड़क को हुए नुकसान के बाद शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के काफिले के गुजरने के तुरंत बाद दोनों ओर से यातायात रोक दिया गया था। इसके बाद लगातार बारिश से सड़क पर कीचड़ जमा हो गया और मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया, जिससे बहाली का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। रामबन और उधमपुर जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश जारी है। एनएच-44 कश्मीर घाटी को देश के शेष हिस्सों से जोड़ने वाला प्रमुख ऑल वेदर मार्ग है। इसके बंद रहने से न केवल अमरनाथ यात्रा प्रभावित हुई है, बल्कि सामान्य यातायात पर भी असर पड़ा है। इस बीच, श्रद्धालुओं की संख्या में कमी को देखते हुए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण और टोकन वितरण की व्यवस्था तवी रिवरफ्रंट से स्थानांतरित कर भगवती नगर आधार शिविर में कर दी है। पहले तवी रिवरफ्रंट पर ऑफलाइन पंजीकरण, टोकन वितरण, ई-केवाईसी सत्यापन और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की केंद्रीकृत सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

केरल में भूस्खलन से 3 की मौत, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, रेड अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात गंभीर हैं। मध्य केरल के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा असर पहाड़ी जिले इडुक्की में देखने को मिला, जहां शनिवार को भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान सुमति के रूप में हुई है। वह अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली थीं। शनिवार सुबह हुए भूस्खलन का मलबा उसके घर पर गिरा, जिससे मकान पूरी तरह तबाह हो गया। इसके अलावा 2 अन्य लोगों की भी मौत की खबर है। शनिवार को देश के कई इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया। कई जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने सुमति के पति रवि और बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों घायल थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर सुमति का शव बरामद किया। इडुक्की के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति के घर में फंसे होने की सूचना मिली है। उसे बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है।

देश में गंदगी फैलाते, विदेश में जाकर जेंटलमैन बन जाते- हाईकोर्ट की कड़ी फटकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने देश में स्वच्छता के प्रति लापरवाही बरतने और जगह-जगह कचरा फैलाने वालों को कड़ी फटकार लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी कर कहा कि ये लोग अपने देश में गंदगी फैलाते हैं, लेकिन विदेश जाते ही सुधर जाते हैं और जेंटलमैन होने का नाटक करते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने सवाल उठाया कि जब विदेश में तय जगह पर कचरा डाला जा सकता है, तब अपने देश में क्यों नहीं। अदालत ने कहा कि साफ-सफाई की जिम्मेदारी समाज की भी है और लोगों को कम से कम अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट में कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के आसपास गंदगी और बदबू को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि यहीं लोग विदेश में चॉकलेट के रैपर भी डस्टबिन में डालते हैं, लेकिन यहां आकर लापरवाही बरतते हैं। क्या यही हमारी आज़ादी और लोकतंत्र का अर्थ है? शहर के बीचों-बीच प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, जिससे एक सभ्य समाज की हमारी छवि धूमिल होती है। हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएस) के स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई कार्यक्रम की निष्क्रियता पर भी चिंता जाहिर की हैं, यह कहते हुए कि न जनता सहयोग कर रही है और न ही मशीनरी ठीक से काम कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सड़कें कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं हैं, जहां सारा कूड़ा-कचरा डाल दिया जाए। यहां तक कि हाई कोर्ट परिसर के पास भी कचरे के ठीक से निपटान न होने और न उठाए जाने पर भी बेंच ने नाराजगी जाहिर की। बेंच ने गौर किया कि बड़ी संख्या में पर्यटक गंदगी को देखते हैं, जिससे शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है। साथ ही, कचरा उठाने वाले कर्मियों के काम करने के तरीके को भी असंतोषजनक बताया, जिससे बहुत सारा कचरा पड़ा रह जाता है। कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को एक सप्ताह का समय देकर गंदगी की समस्या पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

400 वर्ष पुराना साँझक का शिव पार्वती मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र, शिवरात्रि पर उमड़ते हैं हजारों श्रद्धालु

राजेश गोयल

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शिवरात्रि पर्व पर मुजफ्फरनगर जनपद के शाहपुर क्षेत्र के गांव साँझक स्थित प्राचीन शिव पार्वती मंदिर श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। करीब 400 वर्ष पुराने इस सिद्धपीठ मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक फैली हुई है। मान्यता है कि यहां श्रद्धापूर्वक 16 सोमवार का व्रत रखकर बेलपत्र और जल से भगवान शिव का अभिषेक करने तथा सच्चे मन से पूजा अर्चना करने पर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

लोक मान्यताओं के अनुसार, जिस स्थान पर आज भव्य मंदिर स्थित है, वहां कभी कूड़े का ढेर हुआ करता था। खुदाई के दौरान यहां पत्थर की दो शिलाएं निकलीं। ग्रामीणों ने उन्हें हटाने का प्रयास किया, लेकिन जब एक शिला पर प्रहार किया गया तो उसमें से रक्त जैसी धारा निकलने लगी। इस घटना के बाद आसपास के लोगों ने इसे दिव्य चमत्कार मानते हुए वहीं पूजा अर्चना शुरू कर दी। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर आज भी उस प्रहार के निशान दिखाई देते हैं, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था और भी गहरी हो गई।

समय के साथ यहां मंदिर का निर्माण कराया गया और यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध हो गया। शिवरात्रि पर हजारों शिवभक्त हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। इस अवसर पर विशाल मेले का आयोजन भी होता है। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार को बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं। शिवरात्रि के अवसर पर मुजफ्फरनगर के अलावा मेरठ, बागपत, शामली, दिल्ली और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

देहरादून में एमडीडीए की नई पहल: हर महीने दो बार लगेगा 'समाधान दिवस', अफसरों के सामने सीधे रख सकेंगे अपनी बात

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने आम जनता की शिकायतों और सुझावों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए एक नई पहल की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत अब प्राधिकरण मुख्यालय में हर महीने के प्रथम और अंतिम सोमवार को "समाधान दिवस" का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आम नागरिक सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकेंगे। एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल विकास कार्यों को गति देना ही नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच संवाद को बेहतर बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता तथा जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री के सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया के अनुसार, समाधान दिवस हर महीने के पहले और आखिरी सोमवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक एमडीडीए मुख्यालय में आयोजित होगा। इस दौरान मिलने वाले आवेदनों की जांच कर संबंधित विभागों के जरिए तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मामलों की गंभीरता से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। लंबे समय से भवन मानचित्र स्वीकृति, अवैध निर्माण, भूमि विवाद और अन्य प्रशासनिक मामलों को लेकर लोग शिकायतें दर्ज कराते रहे हैं। एमडीडीए का मानना है कि इस कदम से जनता और प्राधिकरण के बीच विश्वास मजबूत होगा। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर समाधान दिवस का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया : चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान गाली देने वाले युवाओं को लेकर पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके माफ करने की बात कही है। इसके बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तंज कसा। पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी को ट्रोल्स भी सोशल मीडिया पर भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की आलोचना करते हैं उन्हें बीजेपी के ट्रोल्स गालियां देते हैं। वहीं पीएम मोदी ने शुक्रवार रात रील शेयर करते हुए कहा था कि गाली से किसी चीज का समाधान नहीं निकलता है। उन्होंने कहा था कि उन लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहिए जो कि गलत रास्ते पर चले गए हैं। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को विक्टिम कार्ड खेलना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा कि वह अपने पूर्ववर्तियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए वह न केवल अपनी सार्वजनिक सभाओं में बल्कि संसद के अंदर भी बार-बार झूठ फैलाते हैं। संसद के अंदर और बाहर गाली-गलौज करने वालों की पूरी फौज को खुली छूट देते हैं और उन्हें पूरा संरक्षण भी प्रदान करते हैं। रमेश ने आगे कहा कि आज पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि पीएम मोदी एनटीए की पेपर लीक से ग्रस्त व्यवस्था के कारण लाखों युवाओं को हुई पीड़ा और छात्र आंदोलनों पर गृह मंत्रालय के संरक्षण में हुई बर्बर कार्रवाई के लिए माफी मांगें। पूरा देश राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए चंदा चोरी, आस्था धोखा प्रकरण पर भी पीएम मोदी से माफी की अपेक्षा कर रहा है, जिसकी स्थापना की घोषणा उन्होंने स्वयं 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में बड़े जोर-शोर से की थी। पूरा देश आज भी 8 नवंबर 2016 को लिए गए उनके तुगलकी फैसले के लिए उनकी माफी का इंतजार कर रहा है, जिसने करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली और लाखों एमसएमई बंद होने की कगार पर पहुंच गए।

युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत, युवाओं को मिल रहे नए अवसर : पुष्कर सिंह धामी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश की युवा शक्ति ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्र निर्माण और संस्कारों का प्रमुख केंद्र है, जहां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा के संस्कार भी दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 42 वर्ष से कम आयु की है। उन्होंने कहा कि आज का युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि नवाचार और स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने वाला बन रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ उत्तराखंड सरकार भी मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, युवा प्रोत्साहन योजना, कौशल विकास योजना, एक जनपद-दो उत्पाद योजना, हाउस ऑफ हिमालय, स्टेट मिलेट मिशन, नई पर्यटन नीति और नई फिल्म नीति जैसी पहलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 44 प्रतिशत रिवर्स पलायन दर्ज हुआ है तथा बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने बताया कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उत्तराखंड में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है और पिछले साढ़े चार वर्षों में 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल भेजा गया है। साथ ही 34 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि बैंक ऋण प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा तथा शिविर लगाकर युवाओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, कुलपति प्रतिभा मेहता लूथरा, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और युवा उपस्थित रहे।

भगवान शिव की सच्ची आराधना से असंभव कार्य भी होते हैं संभव : स्वामी कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि भगवान शिव की सच्ची आराधना से असंभव कार्य भी सहज रूप से संभव हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि महादेव अपने भक्तों पर शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं और श्रद्धापूर्वक एक लोटा जल अर्पित करने मात्र से भी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण कर देते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से सावन मास में नियम, संयम और पूर्ण श्रद्धा के साथ शिव उपासना करने का आह्वान किया।

श्री दक्षिण काली मंदिर में आयोजित विशेष शिव साधना के दौरान स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि शिव भक्ति से जीवन के बड़े से बड़े कष्ट, संकट और बाधाएं दूर होती हैं तथा सुख, शांति और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि सावन मास भगवान शिव को समर्पित है और इस माह का प्रत्येक दिन विशेष महत्व रखता है। इस पवित्र माह में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने पर अनेक तीर्थों में स्नान के समान पुण्य फल प्राप्त होता है।

उन्होंने समुद्र मंथन की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि सावन मास में निकले हलाहल विष से सृष्टि की रक्षा के लिए भगवान शिव ने विष को अपने कंठ में धारण किया, जिससे वे नीलकंठ कहलाए। विष के प्रभाव को शांत करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक किया था। तभी से सावन मास में रुद्राभिषेक की परंपरा प्रचलित हुई। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु सावन में श्रद्धा और विधि-विधान से रुद्राभिषेक करते हैं, उन पर भगवान शिव की विशेष कृपा बनी रहती है और उनके जीवन की कठिनाइयां दूर होती हैं।

सितंबर में ब्रिक्स समिट में मिलेंगे दुनिया के पॉवरफुल लोग, अमेरिका की धड़कनें हुई तेज?

-इन बैठकों में व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा, वैश्विक हालात जैसे मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सितंबर में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करने जा रहा है। इस मंच पर दुनिया के पावरफुल देश शामिल होंगे। इसमें पीएम मोदी की मौजूदगी तो होगी ही साथ ही कई दिग्गज नेता बैठक करेंगे। ये वो वर्ल्ड लीडर हैं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना विरोधी मानते हैं। अमेरिका के ये तीन दुश्मन देश हैं- रूस, चीन और ईरान।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली में 12 से 13 सितंबर को ब्रिक्स समिट है। इस समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान शामिल होंगे। जब ये तीनों वर्ल्ड लीडर भारत में एक मंच पर मिलेंगे तो अमेरिका की धड़कन बढ़ जाएगी। यह समिट ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है। उधर रूस और यूक्रेन के बीच भी लड़ाई जारी है। ऐसे में दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि इस मंच से क्या संदेश निकलता है। अमेरिका भी इस पर नजर जमाए रखेगा।

बता दें शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन और पेजेश्कियन के साथ पीएम मोदी की अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। इन बैठकों में कारोबार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, वैश्विक हालात और क्षेत्रीय तनाव जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिका की नजर सबसे ज्यादा ईरान और चीन पर होगी। गौरतलब है कि भारत और चीन के रिश्ते काफी समय से तल्ख रहे हैं। अब जमी बर्फ पिघलने लगी है। भारत-चीन लगातार अपने संबंध सुधार रहे हैं। अगर शी जिनपिंग सितंबर में भारत आते हैं तो बीते 7 साल में शी जिनपिंग की यह पहली भारत यात्रा होगी।

अमेरिका को डर है कि कहीं ये देश मिलकर अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कोई नया गठजोड़ न बना लें। रूस और ईरान पर अमेरिका लगातार सैंक्शन लगा रहा है। ये दोनों देश इस समय अमेरिकी प्रतिबंधों और दबाव का सामना कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। वहीं ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम और पश्चिम एशिया के हालात को लेकर तनाव बना हुआ है। ऐसे में अगर भारत इन देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करता है तो यह अमेरिका की रणनीतिक नजर में अहम घटनाक्रम होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की यात्रा भी कई मायनों में अहम होगी। वह पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भारत को विस्तार से जानकारी देंगे। साथ ही दोनों देश ऊर्जा, व्यापार और चाबहार बंदरगाह परियोजना जैसे मुद्दों पर आगे की रणनीति पर भी चर्चा कर सकते हैं। अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण पिछले कुछ सालों में भारत-ईरान व्यापार प्रभावित हुआ है।

इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब पश्चिम एशिया में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच कई मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। संगठन के भीतर फिलिस्तीन और दो-राष्ट्र समाधान को लेकर भी अलग-अलग राय सामने आई है। माना जा रहा है कि भारत इन मतभेदों को कम करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है। भारत पांच साल बाद ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है।

सांसद डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा एवं विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं आधुनिक बनाने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद डॉक्टर महेश शर्मा की अध्यक्षता में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान मा0 सांसद ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षित सड़कें, अनुशासित यातायात और जागरूक नागरिक ही दुर्घटनाओं को कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

बैठक में सांसद ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना सिटी क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव, परी चौक सहित विभिन्न प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम तथा यातायात प्रबंधन की चुनौतियों पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दीर्घकालिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है, इसलिए पहले से ही ट्रैफिक डायवर्जन एवं नियंत्रण की समुचित व्यवस्था तैयार रखी जाए। उन्होंने कमर्शियल वाहनों के शहर में प्रवेश के लिए समय सारणी

निर्धारित करने, निर्माण कार्यों में लगे ऐसे भारी वाहनों के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए जो सड़कों पर धूल उड़ाकर प्रदूषण फैलाते हैं और दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। उन्होंने पुलिस एवं परिवहन विभाग को समन्वय स्थापित करते हुए विशेष अभियान संचालित करने तथा आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली अपनाने के निर्देश भी दिए। सांसद ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों का नियमित विश्लेषण किया जाए, दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों की वैज्ञानिक पहचान कर स्थायी समाधान लागू किए जाएं ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बैठक में जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। सांसद ने संबंधित प्राधिकरणों, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी एवं अन्य एजेंसियों को निर्देशित किया कि जिन ब्लैक स्पॉट्स पर अभी सुधार कार्य शेष हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लैक स्पॉट पर वैज्ञानिक ढंग से स्पीड ब्रेकरों का निर्माण, रिफ्लेक्टिव चेतावनी संकेतक, दिशा सूचक बोर्ड, स्पष्ट रोड मार्किंग, प्रभावी ट्रैफिक सिग्नल, पर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग, सुरक्षा बैरियर तथा सीसीटीवी कैमरों की स्थापना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक स्थल पर कराए गए कार्यों का नियमित निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। मा0 सांसद ने परिवहन विभाग को यह भी निर्देशित किया कि ऐसा प्रभावी डिजिटल एवं जनसहभागिता आधारित मॉड्यूल विकसित किया जाये, जिसके माध्यम से आम नागरिक सड़क सुरक्षा से संबंधित समस्याओं, सुझावों एवं दुर्घटना संभावित स्थलों की जानकारी सीधे संबंधित विभागों तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि जनता की सहभागिता से सड़क सुरक्षा अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, 164 शिकायतों में 14 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों की शिकायतें सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया तथा शेष प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निपटाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। तीनों तहसीलों में कुल 164 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 14 शिकायतों का तत्काल समाधान कर दिया गया।

तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस के दौरान 6 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया।

तहसील दादरी में उपजिलाधिकारी अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सबसे अधिक 96 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 7 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया, जबकि अन्य शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

वहीं तहसील जेवर में उपजिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 62 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शेष शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

संपूर्ण समाधान दिवस में 40 शिकायतें पहुंचीं, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। तहसील नगीना में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष और प्रभावी समाधान किया जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 40 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से तीन मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 37 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। प्राप्त शिकायतों में चक मार्ग से अवैध कब्जा हटवाने, भूमि की पैमाइश कराने तथा अन्य राजस्व एवं विकास संबंधी मामले प्रमुख रहे।

इस अवसर पर एम.एम. इंटर कॉलेज नगीना की छात्राओं ने अपने विद्यालय में खेल स्टेडियम निर्माण की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिलाधिकारी ने उनकी मांग पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान के साथ-साथ विद्यार्थियों की आवश्यकताओं पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उपजिलाधिकारी नगीना प्रिंस कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी लंबित प्रकरणों का नियमानुसार और समयबद्ध समाधान कराया जाएगा।

लेखपालों ने लंबित मांगों के समाधान को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जेवर तहसील इकाई के पदाधिकारियों और सदस्यों ने शनिवार को तहसील परिसर में बैठक आयोजित कर अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के उपरांत संघ के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। लेखपालों ने कहा कि लंबे समय से कई महत्वपूर्ण मांगें लंबित पड़ी हैं, जिनके कारण राजस्व संबंधी कार्यों के निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संसाधनों के अभाव, वेतन विसंगतियों, लगातार बढ़ रहे अतिरिक्त कार्यभार तथा कार्य परिस्थितियों में सुधार की आवश्यकता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि लेखपाल शासन और प्रशासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, वेतन संबंधी विसंगतियों का निराकरण किया जाए तथा अतिरिक्त कार्यभार को संतुलित करने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। तहसीलदार ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। बैठक और ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के अध्यक्ष केके शर्मा, मंत्री प्रत्युष, सोनू, भारत, धीरेन्द्र सहित बड़ी संख्या में लेखपाल उपस्थित रहे।

बहुचर्चित गरिमा हत्याकांड में बड़ा खुलासा, बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। बहुचर्चित गरिमा हत्याकांड में आदर्श मंडी थाना पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए मृतका के पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार युवती की गला दबाकर हत्या की गई थी। इसके बाद साक्ष्य मिटाने और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से शव का जल्द अंतिम संस्कार करने की तैयारी की जा रही थी। मामले में अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार 29 जुलाई को डायल-112 पर सूचना मिली थी कि एक युवती की हत्या के बाद उसके परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना झिंझाना क्षेत्र के गांव नौनांगली ले जाए जा रहे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवती की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई। विवेचना में सामने आया कि मृतका गरिमा का

पिछले करीब आठ वर्षों से एक युवक के साथ प्रेम संबंध था और दोनों विवाह करना चाहते थे, लेकिन परिजनों ने उसका रिश्ता दूसरे स्थान पर तय कर दिया था। पुलिस के अनुसार प्रेम संबंध की जानकारी मिलने के बाद तय विवाह टूट गया, जिसके बाद परिवार में तनाव बढ़ गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हत्या आदर्श मंडी क्षेत्र के खुशहाली विहार स्थित मकान में की गई और बाद में शव को पैतृक गांव ले जाकर जल्द अंतिम संस्कार करने का प्रयास किया गया। समय रहते पुलिस ने हस्तक्षेप कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराया। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में की गई विवेचना, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा तकनीकी एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर मृतका के पिता सुधीर दाहिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में नामजद अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज में मैं भी स्वदेशी: समर्थक डिजिटल अभियान का शुभारंभ

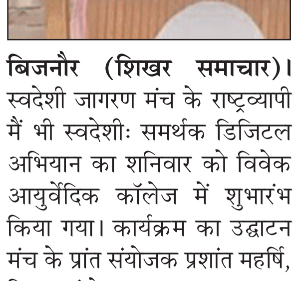

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रव्यापी मैं भी स्वदेशी: समर्थक डिजिटल अभियान का शनिवार को विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंच के प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि, जिला संयोजक अजय वत्स तथा कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. देवाशीष पाणिग्रही ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि प्रशांत महर्षि ने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और देश की आर्थिक प्रगति में भागीदार बनने का आह्वान किया। जिला संयोजक अजय वत्स ने बताया कि यह डिजिटल अभियान एक अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक देशभर में चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. देवाशीष पाणिग्रही ने कहा कि आयुर्वेद स्वयं भारत की प्राचीन स्वदेशी चिकित्सा पद्धति है और प्रत्येक नागरिक का स्वदेशी के प्रति लिया गया छोटा सा संकल्प भी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान साबित हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वदेशी विचारधारा को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह जिला संयोजक सतीश त्यागी, जिला संपर्क प्रमुख कौशल किशोर शर्मा तथा प्रोफेसर शंभु का विशेष सहयोग रहा।

संपूर्ण समाधान दिवस में 88 शिकायतें दर्ज, आठ का मौके पर निस्तारण

शामली (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील ऊन में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी आलोक यादव ने की। यहां कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष मामलों की मौके पर जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि विवादों के मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर नियमानुसार कार्रवाई करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी आलोक यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। समाधान दिवस के दौरान पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष जनसेवा शिविर भी आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस अधिकारियों

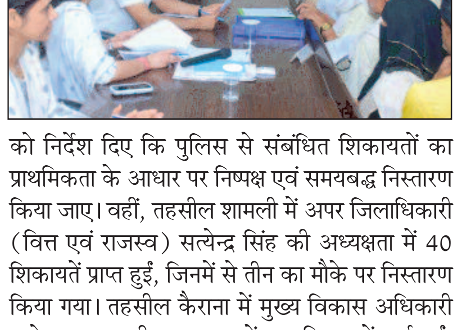

को निर्देश दिए कि पुलिस से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। वहीं, तहसील शामली में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्येन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील कैराना में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में 22 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से दो शिकायतों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 88 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से आठ का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

एयरपोर्ट प्रभावित युवाओं ने स्थायी रोजगार की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना से प्रभावित परिवारों के युवाओं ने शनिवार को अपनी रोजगार संबंधी मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। युवाओं ने हवाई अड्डा संचालक कंपनी में स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने की मांग करते हुए कहा कि परियोजना के लिए अपनी जमीन देने वाले परिवारों के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया जाना चाहिए। ज्ञापन में युवाओं ने कहा कि वर्तमान में उन्हें तीसरे पक्ष के माध्यम से रोजगार देने का प्रस्ताव किया जा रहा है, जबकि उनकी मांग सीधे और स्थायी रोजगार की है। उनका कहना था कि भूमि अधिग्रहण के समय रोजगार के आश्वासन के आधार पर मुआवजे की राशि में नौकरी के बदले पांच लाख रुपये की कटौती कराई गई थी। यदि अब स्थायी नौकरी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती तो कटौती की गई राशि के स्थान पर 50 लाख रुपये का विशेष मुआवजा दिया जाए। प्रभावित युवाओं ने कहा कि रोजगार नहीं मिलने से बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं और उनका भविष्य अनिश्चित होता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे मुख्यमंत्री से जनता दरबार में मिलने के लिए जेवर से लखनऊ तक नंगे पैर पैदल मार्च करेंगे और अपनी पीड़ा सीधे सरकार के समक्ष रखेंगे। उपजिलाधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों तक उनकी मांग पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पवन, अमित, अजय, चांद सैफी सहित अन्य प्रभावित युवा उपस्थित रहे।

शिकायत के बाद हरकत में आया डाक विभाग, ग्रामीणों को लौटाई गई सुकन्या योजना की राशि व पासबुक

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव रोनिजा में सुकन्या समृद्धि योजना और आवर्ती जमा (आरडी) योजना की किस्तों में कथित अनियमितता की शिकायत पर डाक विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शनिवार को जांच शुरू कर दी। मुख्य डाकघर से पहुंचे अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत की मौके पर जांच की। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने पर शाखा डाकपाल को गांव बुलाया गया। जांच के दौरान शाखा डाकपाल ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए ग्रामीणों से माफी मांगी और सुकन्या योजना की किस्त के रुपये तथा संबंधित पासबुक उन्हें वापस सौंप दी। इसके बाद ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त करते हुए मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं कराने की बात कही।

ग्रामीण बलबीर आजाद सहित अन्य लोगों ने मुख्य डाकघर रबूपुरा में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी बेटियों के नाम भारत सरकार की सुकन्या समृद्धि योजना तथा आरडी योजना के तहत गांव रोनिजा की डाक शाखा में खाते खुलवाए थे। उनका आरोप था कि वे प्रत्येक माह किस्त की राशि शाखा डाकपाल दीपांशु डागर को जमा कराते थे। जून माह की किस्त भी उन्हें दी गई थी, लेकिन वह राशि खातों में जमा नहीं की गई और पासबुक भी वापस नहीं की गई। काफी समय तक संपर्क न होने पर ग्रामीणों ने हजारों रुपये के गबन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद नोएडा मुख्य डाकघर से मेल ओवरसीयर ऋषि भाटी और त्रिलोकचंद गांव पहुंचे तथा मामले की जांच की। जांच के दौरान विवाद का समाधान हो गया और ग्रामीणों को उनकी राशि एवं पासबुक वापस मिल गई।

उम्मीद संस्था ने निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली, युवाओं से स्वस्थ जीवन अपनाने का किया आह्वान

दादरी (शिखर समाचार)। उम्मीद संस्था की ओर से शनिवार को गांव बादलपुर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य युवाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। रैली में बड़ी संख्या में युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। संस्था के संस्थापक देवेंद्र कुमार नागर एवं राष्ट्रीय महासचिव जागेश कुमार ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, अच्छे संस्कार और सकारात्मक सोच को अपनाना चाहिए, तभी समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने लोगों से अपने परिवार के सदस्यों को भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील की। रैली के दौरान ग्रामीणों को संदेश दिया गया कि नशा छोड़ें, शिक्षा और संस्कार अपनाएँ यही उज्ज्वल भविष्य की पहचान है। प्रतिभागियों ने गांव में भ्रमण कर लोगों को नशे से दूर रहने, परिवार को सुरक्षित रखने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महेंद्र प्रधान, ब्रह्म सिंह, बालचंद, कपिल प्रधान, राजकुमार, अरुण नागर, भगत सिंह, राधे सिंह, वेदपाल, गजराज सहित अनेक युवा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

आशीष चौधरी बने भाकियू के शामली जिलाध्यक्ष, पदाधिकारियों ने किया स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के संगठनात्मक ढांचे में फेरबदल करते हुए हाईकमान ने गांव चौंदाहेड़ी निवासी आशीष चौधरी को शामली का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन की घोषणा होते ही संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने बताया कि पूर्व जिलाध्यक्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आशीष चौधरी किसान हितों की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ साथ संगठन की विचारधारा और किसान नेता स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आशीष चौधरी ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा तथा संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को सम्मान देते हुए संगठन को गांव गांव तक मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने किसान हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का भी भरोसा दिलाया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

कुलगाम की त्रासदी और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक संकल्प

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले के केल्लाम क्षेत्र में ईंट भट्ठे पर काम कर रहे छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों की आतंकियों द्वारा पहचान पूछने के बाद गोली मारकर हत्या कर देना केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि भारत की सामाजिक एकता, मानवीय मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने का दुस्साहसिक प्रयास है। रोजी रोटी कमाने के लिए अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर पहुंचे ये मजदूर किसी राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा नहीं थे। उनका एकमात्र उद्देश्य अपने परिवार का पालन पोषण करना था, लेकिन आतंकवाद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि उसकी नजर में निर्दोष जीवन का कोई मूल्य नहीं होता। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है और यह स्पष्ट संकेत दिया है कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। पिछले कुछ समय से घाटी में शांति, विकास और सामान्य जनजीवन की वापसी के सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे थे। पर्यटन में वृद्धि हुई, निवेश बढ़ा, रोजगार के अवसर विकसित हुए और देशभर से मजदूर तथा कारोबारी बिना भय के कश्मीर पहुंचने लगे थे। यही स्थिति आतंकवादी संगठनों को सबसे अधिक असहज करती है, क्योंकि उनका अस्तित्व भय, अस्थिरता और अविश्वास पर टिका है। इसलिए वे समय समय पर ऐसी घटनाओं को अंजाम देकर यह संदेश देने की कोशिश करते हैं कि घाटी अभी भी सुरक्षित नहीं है। कुलगाम की यह घटना भी उसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। दक्षिण कश्मीर में कुछ ही दिनों के भीतर गैर स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाने की दूसरी बड़ी घटना यह बताती है कि आतंकी संगठन अपनी कमजोर होती पकड़ को फिर मजबूत करने के लिए निर्दोष लोगों को आसान लक्ष्य बना रहे हैं। यह हमला केवल दो व्यक्तियों पर नहीं, बल्कि उस विश्वास पर हमला है जिसके बल पर देश के अलग अलग राज्यों के लोग कश्मीर में काम करने और जीवन को सामान्य बनाने का साहस जुटा रहे थे। आतंकवाद की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि उसका कोई धर्म, कोई जाति और कोई मानवीय चरित्र नहीं होता। जो लोग किसी व्यक्ति का नाम, पहचान या धर्म पूछकर उसकी हत्या कर देते हैं, वे किसी विचारधारा के प्रतिनिधि नहीं बल्कि मानवता के सबसे बड़े शत्रु हैं। ऐसे कृत्यों का उद्देश्य समाज में भय और विभाजन पैदा करना होता है ताकि सांप्रदायिक तनाव बढ़े और विकास की प्रक्रिया बाधित हो। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। जब देश के अलग अलग राज्यों के लोग बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे के यहां काम करते हैं, व्यापार करते हैं और सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं, तब राष्ट्रीय एकता और मजबूत होती है। आतंकवादी इसी विश्वास को तोड़ना चाहते हैं। इसलिए इस घटना के बाद पूरे देश को भावनात्मक आवेश के बजाय राष्ट्रीय एकजुटता का परिचय देना होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है। आतंकियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि ऐसे अपराधियों को शीघ्र पकड़कर कानून के अनुसार कठोर दंड देना ही आतंकवाद के विरुद्ध सबसे प्रभावी संदेश होगा। केवल मुठभेड़ों से आतंकवाद समाप्त नहीं होता, बल्कि उसके पूरे तंत्र को ध्वस्त करना आवश्यक होता है। इसके लिए आधुनिक खुफिया व्यवस्था, स्थानीय नागरिकों का सहयोग, तकनीकी निगरानी, सीमा सुरक्षा और आतंकी वित्तपोषण पर कठोर नियंत्रण समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

ईमानदारी वह अमूल्य संपत्ति है, जिसे कोई चुरा ही नहीं सकता है।

~~~~~~~~

©
विनय संकोची

ट्रंप का इजराइल और हमास के बीच समझौते का ऐलान

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा किया है। इस दावे में उन्होंने कहा है, इजराइल और हमास के बीच में जल्द ही समझौता होने जा रहा है। हमास और उसके दूसरे सभी हथियारबंद संगठन अपने हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल भी गाजा से हटाने के लिए तैयार हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा, कि गाजा का कंट्रोल अब फिलिस्तीन सरकार के हाथ में होगा। दोनों लोग मिलकर बोर्ड ऑफ पीस के साथ मिलकर काम करेंगे। इस समझौते के बाद इजराइल और गाजा के बीच में स्थाई शांति स्थापित होगी। एक-दूसरे के ऊपर कोई हमले नहीं होंगे। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि यह समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे ही हमास अपने हथियार छोड़ेगा इजराइल की सेना गाजा से वापस होना शुरू हो जाएगी। नई व्यवस्था फिलिस्तीन पुलिस गाजा के हाथ में होगी। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार हमास के हथियार छोड़ने के 14 दिन के भीतर यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस समझौते की टाइमलाइन तय की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 20 सूत्रीय गाजा प्लान का यह सबसे अहम हिस्सा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो बोलते हैं उसमें कितना सच होता है और कितना झूठ होता है यह उनके अलावा कोई नहीं जानता है। कुछ यही स्थिति इजराइल की है। जब-जब इजराइल ने इस तरह के समझौते किए, जैसे ही सामने वाला पक्ष समझौते के अनुसार प्रक्रिया शुरू करता है उसके बाद उसके ऊपर हमले शुरू हो जाते हैं। दुश्मन को अंधेरे में रखकर हमले करने की यह रणनीति इजराइल और अमेरिका सबसे ज्यादा उपयोग में लाते हैं। यह पिछले कई वर्षों की कार्रवाई से साबित हो चुका है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो समझौता हुआ था, उसमें इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने समय-समय पर पलीता लगाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। पीछे से अमेरिका भी इस रणनीति का समर्थन कर रहा था। पहले भी इजराइल और फिलिस्तीनियों तथा हमास के बीच कई समझौते हो चुके हैं। हर समझौते के बाद हमला करना इजराइल की रणनीति का हिस्सा था। इजराइल ने जिस तरह से गाजा में नरसंहार किया है, महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को मौत के घाट में उतारा है। वहां पर लोग भूखे मर गए। इजराइल ने वहां रसद नहीं जाने दी। इन सब बातों को देखते हुए ट्रंप ने जो दावा किया है वह कितना सही है, कहना मुश्किल है। जिस तरह से ईरान और अमेरिका के बीच में युद्ध हुआ, उसमें खाडी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को जो नुकसान पहुंचा है, इजराइल को भी भारी नुकसान हुआ है, इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दिन में तारे दिखा दिए हैं।

ऐसी स्थिति में अमेरिका और इजराइल को अब नई रणनीति अपनाना पड़ रही है। अमेरिका और इजराइल अब हमास से भी बात कर रहे हैं। फिलिस्तीनियों से भी बात कर रहे हैं। इस लड़ाई में अमेरिका और इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में उन्हें कई वर्ष लगेंगे। वर्तमान स्थिति में ईरान अमेरिका इजराइल फिलिस्तीन हमास खाडी के सभी देश लगातार नुकसान से अब घबरा चुके हैं। लड़ने के लिए किसी के पास शक्ति नहीं बची है, जो कुछ शक्ति है वह वर्तमान में ईरान के पास है। ईरान को रूस और चीन का सहयोग मिला है। हार्मोज ईरान के लिए वरदान साबित हुआ है। पिछले पांच दशक से ईरान को सबने मिलकर प्रतिबंध की आड़ में कमजोर करने का हर संभव प्रयास कर लिया। अब समय बदल गया है। ईरान अब मुख्य भूमिका में है। रूस और चीन से जो समर्थन उसको मिल रहा है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि वह शांति की ओर आगे बढ़े लेकिन अभी भी वह बदमाशी करेंगे तो इसका दुष्परिणाम इस बार उन्हें भारी पड़ने वाला है। ईरान पूरी तरह से सजग है। ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ का आतंक सारी दुनिया के देशों में फैलाया था, उससे अमेरिका की विश्वसनीयता और डोनाल्ड ट्रंप के रोजाना नए-नए झूठ बोलने से डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर सहज रूप से विश्वास नहीं किया जा सकता है। आशा है डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जो समझौता करने जा रहे हैं, उसे ईमानदारी के साथ लागू करें। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी। अमेरिका और इजराइल मैं भी शांति बनी रहेगी।

बढ़ते असंतोष नफरत के बीच सुलगता नेपाल?

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल नेपाल के दक्षिणी हिस्से (मधेस और कोशी प्रांत) में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं. तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सलार्ही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है.इस ताजा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है.नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है. तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरूआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरूआत 26 जुलाई की रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कप्तानगंज क्षेत्र) से हुई. वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था.डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया.हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए.पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया. हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतेंः पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है.कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है.नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है. भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं.सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है.

आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है। किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोटों ने चिंता को और बढ़ाया है। बताया गया है कि नेपाल की आई पुलिस फोर्स ने कुछ वर्ष पहले ही तराई-मधेस क्षेत्र में धार्मिक और जातीय तनाव भड़काने वाले तत्वों को लेकर सरकार को सतर्क किया था। यदि वास्तव में ऐसी चेतावनी दी गई थी और उस पर समय रहते पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी। खुफिया सूचनाओं का उद्देश्य केवल दस्तावेज तैयार करना नहीं, बल्कि संभावित संकट को रोकने के लिए नीति और कार्रवाई तय करना होता है। हालांकि इस संवेदनशील परिस्थिति में सबसे अधिक सावधानी भाषा और आरोपों को लेकर बरतने की आवश्यकता है। किसी पूरे समुदाय, धर्म, क्षेत्र या जनसंख्या समूह को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे तनाव और बढ़ सकता है। धार्मिक स्थलों, मदरसों, मंदिरों, बस्तियों या जनसंख्या में बदलाव से संबंधित दावों की निष्पक्ष और प्रमाण-आधारित जांच होनी चाहिए। अपुष्ट जनसांख्यिकीय आशंकाओं को राजनीतिक हथियार चनाना समाज को और विभाजित कर सकता है। समस्या कट्टरपंथ, हिंसक संगठन और कानून तोड़ने वाले तत्व हैं कि किसी धर्म के सामान्य नागरिक नहीं। नेपाल की सामाजिक संरचना बहुधार्मिक, बहुभाषी और बहुजातीय है। तराई क्षेत्र में हिंदू, मुस्लिम, मधेसी, थारू, पहाड़ी और अन्य समुदाय लंबे समय से साथ रहते आए हैं। इस सामाजिक ताने-बाने की रक्षा नेपाल सरकार की पहली जिम्मेदारी है। स्थानीय धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों, शिक्षकों, पत्रकारों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को शांति बहाली में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। केवल पुलिस बल के भरोसे स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। संवाद, विश्वास बहाली और निष्पक्ष न्याय भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत के वि भारत के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण खुली सीमा है। भारत और नेपाल के नागरिक अनेक स्थानों पर बिना पासपोर्ट और वीजा के सीमा पार करते हैं। व्यापार, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा और पारिवारिक संबंधों के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसी स्थिति में नेपाल की हिंसा का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों पर पड़ना स्वाभाविक है। अफवाहें, भड़काऊ सामग्री, असामाजिक तत्व या अवैध हथियार सीमा पार न पहुंचें, इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। बिहार से लगी सीमा पर हाई अलर्ट उचित कदम है, लेकिन सतर्कता का अर्थ सामान्य यात्रियों और सीमावर्ती नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं होना चाहिए। सशस्त्र सीमा बल, स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर प्रसारित झूठी खबरों पर भी तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सीमावर्ती गांवों में शांति समितियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाकर अफवाहों को शुरूआती स्तर पर रोका जा सकता है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करने की आवश्यकता है। दोनों देशों की एजेंसियों को हिंसा फैलाने वाले संगठनों, अवैध धन प्रवाह, हथियारों की तस्करी और डिजिटल प्रचार नेटवर्क से जुड़ी सूचनाएं साझा करनी चाहिए।

संसद का रंगमंच, प्रतीकों की राजनीति और लोकतंत्र की बदलती भाषा

कुमार कृष्णन

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

भारतीय संसद को लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर कहा जाता है। यहां कानून बनते हैं, नीतियां तय होती हैं और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में संसद केवल विधायी बहसों का मंच नहीं रह गई है। वह राजनीतिक प्रतीकों, दृश्यात्मक विरोधों और कैमरों के सामने रचे जाने वाले संदेशों का भी केंद्र बन गई है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा परिसर में विपक्ष द्वारा प्रस्तुत चंदा चोरी का सांकेतिक नाटक इसी बदलते राजनीतिक दौर की एक महत्वपूर्ण झलक है।

शुक्रवार को संसद परिसर में जो दृश्य सामने आया, वह सामान्य संसदीय विरोध से अलग था। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर पुजारी के वेश में पहुंचे। उनके सामने एक दानपात्र रखा गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वहां आए और प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला। कुछ क्षण बाद पुजारी बने पप्पू यादव दानपात्र लेकर भागने लगे। पीछे से विपक्षी सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया और चंदा चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए। कुछ मिनटों का यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया और संसद की औपचारिक बहसों से अधिक चर्चा इसी प्रदर्शन की होने लगी।

यह घटना केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं थी। इसके पीछे एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश था। विपक्ष राजनीतिक चंदे की व्यवस्था, चुनावी वित्तपोषण और सत्ता तथा पूंजी के संबंधों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करना चाहता था। यह प्रदर्शन प्रत्यक्ष आरोपों की बजाय प्रतीकों के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास था।

दरअसल, राजनीति में प्रतीकों की शक्ति अत्यंत गहरी होती है। इतिहास गवाह है कि कई बार प्रतीक लंबे भाषणों से अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैं। महात्मा गांधी का दांडी मार्च केवल नमक कानून तोड़ने का अभियान नहीं था; वह औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वाभिमान का प्रतीक बन गया। जयप्रकाश नारायण की रैलियां केवल राजनीतिक सभाएं नहीं थीं; वे व्यवस्था परिवर्तन की सामूहिक आकांक्षा का दृश्य थीं। अन्ना हजारे का गांधी टोपी पहनना हो या किसानों का ट्रैक्टर लेकर दिल्ली पहुंचना–इन सभी आंदोलनों ने प्रतीकों के माध्यम से अपनी बात व्यापक समाज तक पहुंचाई।

भारतीय राजनीति में संसद के भीतर और बाहर प्रतीकात्मक विरोध का लंबा इतिहास है। कभी सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे, कभी हाथों में हथकड़ियां लेकर, कभी संविधान की प्रतियां लहराईं, तो कभी महंगाई के विरोध में गैस सिलेंडर या सब्जियां लेकर प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष भी इससे अलग नहीं रहा है। विपक्ष में रहते हुए आज सत्ता में बैठे कई नेताओं ने भी संसद परिसर में इसी प्रकार के सांकेतिक प्रदर्शन किए थे। इसलिए संसद परिसर में विरोध का यह स्वरूप पूरी तरह नया नहीं है। नया केवल उसका दृश्यात्मक विस्तार है।

आज की राजनीति सोशल मीडिया के युग में प्रवेश कर चुकी है। पहले संसद की बहसें अगले दिन अखबारों के माध्यम से जनता तक पहुंचती थीं। अब संसद परिसर का तीस सेकंड का वीडियो कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों की रणनीति भी बदल गई है। अब केवल तथ्य प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं माना जाता। उन्हें ऐसे दृश्य में बदलना भी आवश्यक समझा जाता है जो कैमरे पर प्रभावशाली लगे और सोशल मीडिया पर वायरल हो सके।

यही कारण है कि संसद परिसर अब राजनीतिक संप्रेषण का नया मंच बन गया है। यहां दिया गया हर दृश्य राजनीतिक संदेश का हिस्सा होता है। विपक्ष यह समझता है कि उसकी हर बात संसद के भीतर पूरी तरह सुनी जाए, यह आवश्यक नहीं; लेकिन यदि वही बात प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से कैमरे तक पहुंच जाए, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में पप्पू यादव की भूमिका विशेष चर्चा का विषय रही। वे लंबे समय से अपनी अलग राजनीतिक शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी राजनीति केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहती। वे अक्सर जनभाषा, प्रतीकों और नाटकीय प्रस्तुतियों के माध्यम से संवाद स्थापित करते हैं। पुजारी के वेश में उनका संसद पहुंचना भी उसी शैली का विस्तार था। दूसरी ओर राहुल गांधी ने भी बिना लंबा भाषण दिए केवल दानपात्र में चंदा डालकर पूरे प्रदर्शन को राजनीतिक अर्थ प्रदान किया। यह आधुनिक राजनीतिक संप्रेषण की वह शैली है जिसमें दृश्य, शब्दों से अधिक प्रभावशाली बन जाता है।

लेकिन इस पूरे प्रसंग का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संसद केवल राजनीतिक संघर्ष का मंच नहीं है; वह संवैधानिक मयार्दाओं का भी प्रतीक है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक संस्थाओं की गरिमा भी है। यदि संसद परिसर लगातार राजनीतिक रंगमंच में बदलता गया, तो क्या गंभीर संसदीय विमर्श पीछे नहीं छूट जाएगा? यह चिंता निराधार नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष समय-समय पर सांसदों को संसद की गरिमा बनाए रखने की सलाह देते रहे हैं। संसदीय परंपराएं केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक आत्मसंयम से भी संचालित होती हैं। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि असहमति किस भाषा और किस मयार्दा में व्यक्त की जाती है।

हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र केवल औपचारिक गंभीरता का नाम नहीं है। व्यंग्य, नाटक और सांकेतिक अभिव्यक्ति भी लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। ब्रिटेन की संसद से लेकर यूरोप, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और ताइवान तक अनेक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सांसदों ने प्रतीकात्मक विरोध के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। कई बार ऐसे प्रदर्शन सार्वजनिक विमर्श को नई दिशा भी देते हैं।

भारत में भी संसद के बाहर और भीतर कई ऐसे प्रतीकात्मक प्रदर्शन हुए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय बहस को प्रभावित किया। इसलिए हर नाटकीय प्रदर्शन को केवल नौटंकी कहकर खारिज करना उचित नहीं होगा। प्रश्न यह है कि क्या वह प्रदर्शन किसी वास्तविक सार्वजनिक मुद्दे को सामने ला रहा है या केवल राजनीतिक मनोरंजन का माध्यम बन रहा है। चंदा चोरी वाला यह नाटक भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। यदि इससे चुनावी वित्तपोषण, राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर गंभीर बहस आगे बढ़ती है, तो इसका लोकतांत्रिक महत्व होगा। लेकिन यदि यह केवल सोशल मीडिया की सुर्खियां बनकर रह जाता है, तो इसकी राजनीतिक उपयोगिता सीमित रह जाएगी।

आज भारतीय राजनीति में दृश्य प्रभाव की प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। चुनावी सभाओं से लेकर संसद परिसर तक हर जगह कैमरा निर्णायक भूमिका निभा रहा है। राजनीतिक दल जानते हैं कि जनता का एक बड़ा वर्ग अब लंबी बहसें नहीं, बल्कि छोटे वीडियो देखता है। इसलिए राजनीति भी उसी भाषा में संवाद स्थापित कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी।

अवसर इसलिए कि जटिल राजनीतिक प्रश्नों को सरल प्रतीकों के माध्यम से आम नागरिक तक पहुंचाया जा सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं राजनीति केवल प्रदर्शन तक सीमित न हो जाए और नीति, तर्क तथा तथ्य पीछे न छूट जाएं। लोकतंत्र का स्वास्थ्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि कौन-सा वीडियो कितना वायरल हुआ, बल्कि इससे तय होता है कि संसद में कितनी गंभीर बहस हुई, कितनी जवाबदेही तय हुई और जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितने ठोस निर्णय लिए गए।

यह भी ध्यान रखना होगा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को अभिनय के लिए नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व के लिए भेजती है। अभिनय यदि संदेश को प्रभावी बनाता है तो उसका स्थान हो सकता है, लेकिन यदि वह वास्तविक विमर्श का विकल्प बन जाए, तो लोकतंत्र का नुकसान होगा। संसद की शक्ति उसकी बहसों, समितियों, कानून निर्माण और जवाबदेही में निहित है। राजनीतिक रंगमंच इन मूल दायित्वों का पूरक हो सकता है, प्रतिस्थापन नहीं।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा किया है। क्या भारतीय राजनीति अब विचारों से अधिक दृश्यों पर आधारित होती जा रही है? क्या चुनावी लोकतंत्र में कैमरे की उपस्थिति ने राजनीतिक व्यवहार को बदल दिया है? क्या राजनीतिक दल अब संसद के भीतर बोलने से अधिक संसद परिसर में दिखने की चिंता करने लगे हैं? इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले वर्षों में भारतीय लोकतंत्र की दिशा तय करेंगे।

लोकतंत्र में प्रतीकों की अपनी जगह है और संसद की गरिमा की अपनी। दोनों के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सत्ता से कठिन प्रश्न पूछे। सत्ता का दायित्व है कि वह उन प्रश्नों का उत्तर दे। और संसद का दायित्व है कि वह इस पूरे संवाद को गरिमा, विवेक और संवैधानिक मयार्दा के साथ संचालित करे।

अंततः, संसद परिसर में खेला गया यह छोटा-सा नाटक केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था। यह उस दौर की तस्वीर है जिसमें लोकतंत्र कैमरों, सोशल मीडिया, प्रतीकों और दृश्य राजनीति के नए युग में प्रवेश कर चुका है। अब चुनौती यह है कि इस दृश्य राजनीति के बीच विचारों की राजनीति, नीति की राजनीति और जनहित की राजनीति कहीं धुंधली न पड़ जाए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति अभिनय में नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और जनविश्वास में निहित है। यदि संसद इन मूल्यों को सुरक्षित रखती है, तो वह केवल लोकतंत्र का मंदिर ही नहीं, उसकी आत्मा भी बनी रहेगी।
~~~~~~~~

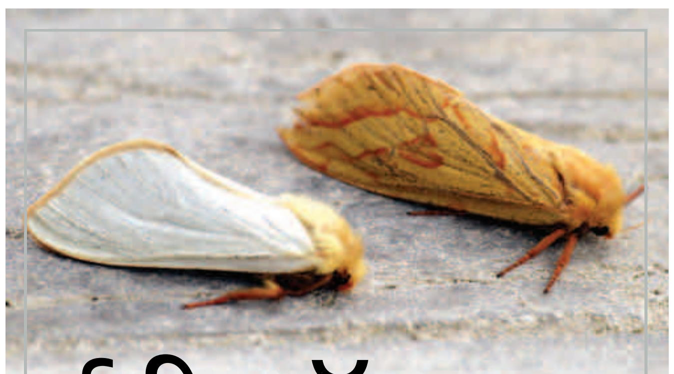

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। द्दकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-

तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

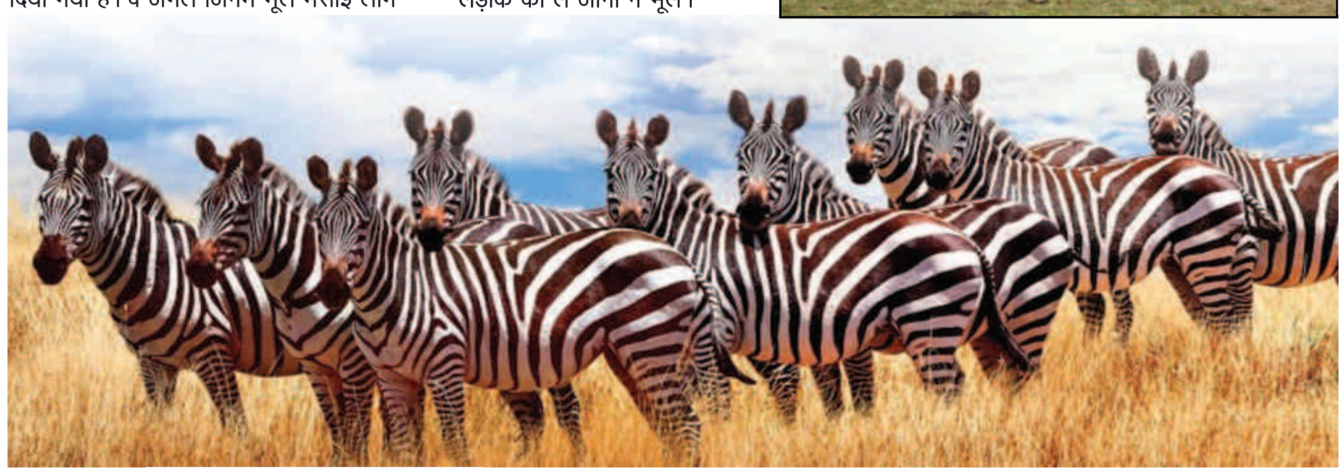

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यत: किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं।

है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

1991 के सुधारों से बदला भारत का ऑटो सेक्टर- मुट्ठी भर कंपनियों से वैश्विक हब तक

मुंबई ।

भारत का वाहन उद्योग कभी चंद कंपनियों के दबदबे वाला बाजार था, जहाँ बाहरी खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। मगर 1991 के ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों ने बंद पड़े बाजार को वैश्विक वाहन निर्माण के सबसे बड़े केंद्रों में से एक बना दिया। दशकों से अनेक बाधाओं से जूझ रहे इस क्षेत्र में उदारीकरण के साथ ही विदेशी निवेश, विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और तीव्र प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू हुआ। बाजार के खुलने से घरेलू कंपनियों पर अपने उत्पादों को उन्नत बनाने का दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप एक मजबूत कलपुर्जा उद्योग विकसित हुआ और ग्राहकों को ढेरों विकल्प मिले। आज, उदारीकरण के 35 साल बाद, वाहन क्षेत्र इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि आर्थिक सुधारों ने भारतीय विनिर्माण की तस्वीर कैसे बदल दी।यद्यपि भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था 1991 में खोली गई, वाहन उद्योग को लाइसेंस व्यवस्था से वास्तविक मुक्ति 1993 में मिली। विदेशी निवेश पर लगे प्रतिबंधों को कम किया गया ताकि वैश्विक कार निर्माता आसानी से प्रवेश कर सकें। हालांकि, इसका असर तुरंत नहीं दिखा। जानकार बताते हैं कि नई नीतियां लागू होने पर उनका प्रभाव तुरंत सामने नहीं आता।

वैश्विक कंपनियों को बाजार को समझने, सरकारों से संवाद स्थापित करने, कारखाने लगाने और आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करने में समय लगता है। इसीलिए वाहन उद्योग पर उदारीकरण का असली प्रभाव 6-7 साल बाद ही नजर आया। 1990 के दशक के अंत तक, फोर्ड, होंडा, जनरल मोटर्स, हुंडई, टोयोटा और दाएवू जैसी कई नामी-गिरामी कार कंपनियों ने भारतीय बाजार में कदम रखा। ये कंपनियां उस समय दुनिया के अंतिम बड़े और अछूते वाहन बाजार में मौजूद विशाल संभावनाओं से आकर्षित होकर भारत आईं थीं।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली, ।

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च और विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 31 जुलाई की अंतिम तिथि तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए। विभाग ने समय पर रिटर्न दाखिल करने वाले सभी करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आयकर विभाग ने कहा, ÷धन्यवाद, करदाताओं! एवाई 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। आपका विश्वास और समय पर कर अनुपालन भारत की विकास यात्रा को गति देता है।

अगस्त माह में 14 दिन रहेंगे बैंक बंद, कुछ राज्यों में खास दिन भी रहेगी छुट्टी

नई दिल ली।

इस महीने बैंक करीब आधा महीना बंद रहेंगे. ऐसा न हो कि आप बैंक ब्रांच चले जाएं और उस दिन बैंक की छुट्टी हो और आपको बैरंग वापस लौटना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टी के कैलेंडर के मुताबिक साप् ताहिक अवकाश और कुछ प्रमुख त्े योहारों और दिवसों के चलते बैंक इस महीने 14 दिन बंद रहेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे सरकारी बैंकों से लेकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक जैसे प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। सभी राज्े यों में 14 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय स्े तर की होने से कुछ खास दिन किसी एक राज्े य में तो अवकाश हो सकता है लेकिन दूसरे राज्य में बैंक खुले रहेंगे।

2 अगस्त (रविवार) साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 4 अगस्त केर पूजा पर केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 8 अगस्त शनिवार को महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश रहेंगे। 9 अगस्त रविवार पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 13 अगस्त पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 16 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 19 अगस्त को महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की

वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त शनिवार महीने का चौथे शनिवार की साप् ताहिक छुट्टी रहेगी। 23 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 25 अगस्त को मिलाद-उन-नबी/पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

28 अगस्त को रक्षाबंधन/श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा 30 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

माह के पहले दिन सरकार का तोहफा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के घटाए दाम

14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, ।

अगस्त शुरु होते ही खुशखबरी आई। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट घटा दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में कीमत 202 रुपए की कटौती की गई है। कोलकाता में रेट 209 रुपए घटाया गया है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।कमर्शियल सिलेंडर का रेट घटने से रेस्टोरेंट, होटल और चाय का ठेला लगाने वाले ऐसे लोगों को फायदा होगा। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर अब दिल्े ली में अब 2,728 रुपए में मिलेगा। पहले इसका रेट 2,930 था। पटना में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 209 रुपए कम होकर अब 3,018 रह गया है। पहले यह 3,227 का था। लखनऊ में 2,860.50 रुपए का मिलेगा। इस बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उपभोक्ताओं को पहले की ही दरों पर सिलेंडर मिलेगा।

सीबीआई का अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल पर बड़ा एक्शन, ईपीएफओ के 1,816 करोड़ रुपए के निवेश घोटाले में दर्ज किया एफआईआर

नई दिल्ली,

1 अगस्त (आईएएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ 1,816.22 करोड़ रुपए के कथित ईपीएफओ निवेश घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी का आरोप है कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के जरिए 1,007.55 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इस पर 808.67 करोड़ रुपए की ब्याज देनदारी भी जुड़ गई। सीबीआई के अनुसार, यह एफआईआर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2013 और 2014 के दौरान रिलायंस कैपिटल लिमिटेड ने सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए थे, जिनमें ईपीएफओ ने चार पोर्टफोलियो मैनेजरों, जिनमें रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड भी शामिल थी, के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इन एनसीडी की परिपक्वता (मेच्योरिटी) 2023 और 2024 में होनी थी। हालांकि, शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए और निवेश की गई राशि का दुरुपयोग तथा दूसरी जगह डायवर्ट किया। इसके कारण रिलायंस कैपिटल एनसीडी का भुगतान (रिडेम्शन) नहीं कर सकी, जिससे ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपए का कथित नुकसान हुआ।

आरबीआई की स्वैप योजना से बैंकों ने जुटाए रिकॉर्ड 41 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई रियायती स्वैप सुविधा को बैंकों और निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसके तहत 31 जुलाई तक देश के बैंकों ने करीब 41 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। यह रकम मुख्य रूप से एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट से आई है, जिससे 36.7 अरब डॉलर जुटाए गए। इसके अलावा, ओवरसीज फॉरेन करंसी बॉरोइंग (ओएफसीबीएस) के जरिए 2.57 अरब डॉलर और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबीएस) के माध्यम से 1.5 अरब डॉलर का फंड मिला। खास बात यह है कि योजना शुरू होने के दो महीने से भी कम समय में 2013 के 34 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट रिकॉर्ड को तोड़ चुकी है। आरबीआई को इस स्कीम में उम्मीद से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिला है, खासकर जुलाई के दूसरे पखवाड़े में फंड जुटाने की रफ्तार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जहां 17 जुलाई तक इस स्कीम के तहत सिर्फ 20.72 अरब डॉलर ही जुटाए गए थे, वहीं महज कुछ दिनों में यह आंकड़ा 41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकार और एसबीआई रिसर्च ने भी अपने अनुमान बढ़ा दिए हैं; अब कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 से 85 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें एफसीएनआर से 65 से 70 अरब डॉलर आने का अनुमान है।

इस फंड जुटाने में सरकारी बैंकों ने, खासकर अपने मजबूत नेटवर्क का फायदा उठाते हुए, बड़ी भूमिका निभाई है, वहीं एचएसबीसी जैसे बड़े विदेशी बैंकों ने भी अहम योगदान दिया। अगस्त और सितंबर में मैच्योर होने वाले पुराने एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के नवीनीकरण से लगभग 10 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा आने की भी संभावना है।

झयह रियायती स्वैप सुविधा रुपये पर बढ़ते दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और डॉलर की बढ़ती मांग के बीच भारतीय रुपये को सहारा देने और देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने की आरबीआई की रणनीति का हिस्सा है। इस स्कीम के तहत, आरबीआई बैंकों को डॉलर-रुपया स्वैप की सुविधा दे रहा है, जिससे उनके लिए विदेशों से डॉलर में फंड जुटाना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना बेहद उत्साहजनक खबर लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस महीने एक नई ऊंचाई छूते हुए 2.11 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 2.11 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी 15.8 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल जुलाई के 1.83 लाख करोड़ रुपये (सकल) और 1.57 लाख करोड़ रुपये (शुद्ध) के मुकाबले काफी अधिक है, जो आर्थिक गतिविधियों में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है।जुलाई के जीएसटी आंकड़े मुख्य रूप से जून महीने की आर्थिक लेन-देन और कारोबारी गतिविधियों को दर्शाते हैं। अगर जून के 1.95 लाख करोड़ रुपये के सकल कलेक्शन से तुलना करने पर जुलाई में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार से बढ़ा है। इसी तरह, शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी जून के 1.62 लाख करोड़ रुपये से 11.6 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो लगातार बढ़ती आर्थिक गति का प्रमाण है।इस उछाल में सबसे बड़ा योगदान विदेश से होने वाले आयात पर लगने वाले टैक्स का रहा। आयात पर लगने वाला सकल जीएसटी सालाना आधार पर 28.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 66,511 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, घरेलू कारोबार से मिलने वाला सकल जीएसटी कलेक्शन भी 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल जीएसटी रिफंड 13.1 फीसदी बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) में सकल जीएसटी कलेक्शन 10.1 फीसदी बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध कलेक्शन 9.2 फीसदी बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।टैक्स और अर्थव्यवस्था के जानकारों का मानना है कि घरेलू मांग में लगातार मजबूती, बढ़ते आयात और टैक्स नियमों के बेहतर पालन की वजह से जुलाई में जीएसटी कलेक्शन के इतने शानदार आंकड़े सामने आए हैं। जानकार के अनुसार, जीएसटी कलेक्शन में लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि साबित करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली, । फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्मॉल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।फिक्स्ड डिपॉजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपॉजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। अगर किसी वजह से देरी होती है, तो अधिकतम 10ः10 बजे तक यह जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपॉजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग ऑफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर 3ः40 बजे तक की

अब निवेशकों को क्लोजिंग के अलग-अलग शेड्यूल का पालन करना होगा

नई दिल्ली, ।

3 अगस्त 2026 से सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) योग्य फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) स्टॉक्स के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू करेंगे, जिससे क्लोजिंग प्राइस तय करने का तरीका बदल जाएगा। इसके साथ ही फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर शाम 3ः40 बजे तक कर दी जाएगी। इस फैसले से ट्रेडर्स को अपने खुले सौदों की हेजिंग, इंट्राडे पोजिशन बंद करने, एक्सपायरी डे की अस्थिरता संभालने का मौका मिल जाएगा। इसके अलावा, क्लोजिंग ऑक्शन के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का अतिरिक्त समय भी मिलेगा।

इस नई व्यवस्था के तहत अब सभी शेयरों का बाजार एक ही समय पर बंद नहीं होगा। अगर आप गैर-एफएंडओ शेयरों में ट्रेडिंग करते हैं तो पहले की तरह ही टाइमिंग है यानी ट्रेडिंग 3ः30 बजे तक चलेगी। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस शेयरों में नियमित ट्रेडिंग 3ः15 बजे तक होगी, जिसके बाद 3ः35 बजे तक क्लोजिंग ऑक्शन सेशन चलेगा। दूसरी ओर स्टॉक और इंडेक्स एफएंडओ की ट्रेडिंग 3ः40 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 3ः50 से 4ः00 बजे तक पोस्ट-क्लोज सेशन होगा।

पेनी स्टॉक निवेशकों को इस बार देगी सात बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं

2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था

नई दिल्ली, ।

पेनी स्टॉक जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। सात महीने में कंपनी दूसरी बार बोनस शेयर दे रही है। इस बार कंपनी की तरफ से सात शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। बता दें इस पेनी स्टॉक का दाम शुक्रवार को मार्केट क्लोजिंग के समय पांच रुपये से भी कम था। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में पेनी स्टॉक ने बताया कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले 24 शेयर पर सात शेयर बोनस के तौर पर निवेशकों को मिलेगा। इस बोनस इश्यू के लिए जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने अभी रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं किया है।आखिरी बार कंपनी के शेयर 2026 में एक्स-बोनस ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को 40 शेयर पर पांच शेयर बोनस के तौर पर मिला था। 2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। 2022 में कंपनी की तरफ से 23 शेयर पर 4 शेयर बोनस मिला था। 2021 में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 37 शेयर पर पांच शेयर बोनस दिया था। बता दें पेनी स्टॉक की तरफ से पहली बार निवेशकों को 2019 में बोनस शेयर दिया गया था। तब कंपनी ने 25 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। कंपनी ने 2025 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.10 रुपए का डिविडेंड दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 फीसदी की गिरावट के बाद 3.75 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। बीते दो हफ्ते कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक साल में इस स्टॉक का दाम 55 फीसदी गिरा है।

देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट बिक्री तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट हुई

बैंगलुरु ने मुंबई-दिल्ली को पीछे छोड़ा, वहां सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट बिके

नई दिल्ली, ।

देश में अपार्टमेंट और फ्लैट की बिक्री में बूम आ रहा है। खासकर शहरी इलाकों में अपार्टमेंट ही खरीदी लोगों की पहली पसंद बन गई हैं। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के सात प्रमुख शहरों में साल 2026 की पहली छमाही में अपार्टमेंट बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट पहुंच गई। बैंगलुरु में सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट की बिक्री हुई।

अभी तक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के दबदबे को बैंगलुरु ने चुनौती दी है।

आंकड़ों के मुताबिक देश के आवासीय बाजार ने इस साल की पहली छमाही में मजबूती दिखाई। सात प्रमुख शहरों में आवासों की बिक्री सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट रही। इन सात शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं। मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे शहर और नवी मुंबई शामिल हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और सोहना शामिल हैं।

आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट को शामिल किया गया है। रॉ-हाउस, विला और भूखंड आधारित परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया है।

जनवरी-जून की अवधि में बैंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी से बढ़कर 35,017 यूनिट पहुंच गई, जो व्यापक चुनौतियों के बावजूद बाजार की मजबूती को दर्शाता है। इस दौरान नए फ्लैट की सप्लाई भी 41 फीसदी बढ़कर 48,748 यूनिट हो गई। आवासीय सेवाओं के प्रमुख ने कहा कि लगातार शहरीकरण, बुनियादी ढांचा विकास और बढ़ती डिमांड के कारण हाउसिंग सेग्मेंट के बुनियादी कारक मजबूत बने हुए हैं और यही मकान खरीदने के फैसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्राहकों को अपार्टमेंट में ज्यादा बेहतर सुविधाएं मिलती हैं जिसकी वजह से उन्हें जमीन और विला वाले प्रोजेक्ट के मुकाबले इस तरह की हाउसिंग की डिमांड ज्यादा रहने लगी है।

त्योहारों से पहले लोगों को लगेगा झटका! टूथपेस्ट, सर्फ, पेंट सब हो जाएंगे महंगे

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की कर रहीं तैयारियां

नई दिल्ली, ।

मानसून विदा होते ही भारतीय त्े योहारों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। घर के रंग-रोगन कराने से लेकर रसोई में नए साज्े जो-सामान लाने की योजना बनने लगेगी, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आने वाले त्े योहारी सीजन में आम उपभोक्े ता के जेब पर भारी पड़ सकता है। इसका कारण है कि टूथपेस्ट, कपड़े धोने के सर्फ और घर की दीवारों पर लगने वाले पेंट से लेकर टायरों तक के दाम बढ़ाने की कंपनियां तैयारी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेस्टिव सीजन से पहले एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां लगातार दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की सोच रही हैं।

एक रिपोर्ट में अनुसान लगाया है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, हैवेल्स और डोडला डेयरी समेत कम से कम 8 बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्े ट्स की कीमत बढ़ाएंगी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल और कमोडिटी की लागत बढ़ गई है। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा हुआ है। बढ़े हुई कीमत का भार कंपनियां आम आदमी पर डालेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने संकेत दिया है कि अगले कुछ महीनों में डिटर्जेंट और बर्तन धोने वाले बार जैसे उत्पादों की कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए खुशखबरी

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का भी ऐलान हो चुका है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर हुआ था। अब इनमें से एक खिलाड़ी पूरी तरह फिट हो गया है और टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को खुशखबरी मिली है। जानकारी के मुताबिक भारत के स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। पीटीआई की जानकारी के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। अब उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।'

हर्षित, नितीश, सुंदर सीरीज से बाहर– भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2–0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

इंडिया रॉयल्स का जीत से आगाज

बांग्लादेश को 19 रन से हराया; अंकतालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर

नई दिल्ली। जाम्बिया में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग 2026 के अपने पहले मुकाबले में इंडिया रॉयल्स की टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स को मात दी है। इस मुकाबले में भारत के लिए नमन ओझा ने कप्तानी की। शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में नहीं उतरे थे। अब रविवार को भारत का अगला मैच पाकिस्तान पैंथर्स की टीम से होगा। उस मुकाबले में कांटे की भिड़ंत हो सकती है। इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान नमन ओझा ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी चुनी थी। वह कुछ खास नहीं कर पाए थे और पारी की शुरुआत करते हुए 8 गेंद पर सिर्फ 1 रन बना सके। उनके बाद अभिषेक जलोटा 26 और असद पठान ने 22 रन की पारी खेली। अंत में सरुल कनवर ने नाबाद रहते हुए 40 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत के लिए शादाब जकाती सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके अलावा अनुरीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी के साथ–साथ दो विकेट भी झटके। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 12 रन ही दिए। अभिषेक जलोटा भी किफायती रहे। अभिषेक ने 3 ओवर में 11 रन देकर 1 विकेट झटका।

भारत–पाकिस्तान का महामुकाबला, धवन, रैना, पठान समेत कई दिग्गज होंगे एक्शन में– इसी के साथ भारत ने बांग्लादेश को 136 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। भारत के लक्ष्य के सामने बांग्लादेश टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।

डेकाथलन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

तेजस्विन को घुटने में दिक्कत

जब तेजस्विन ने डेकाथलन की शुरुआत 100 मीटर इवेंट में 10.96 सेकेंड के साथ की तो ऐसा लगा कि घुटने में दिक्कत हो रही है, लेकिन लॉन्ग जंप के दूसरे इवेंट तक उन्होंने साबित कर दिया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। तेजस्विन ने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटकर का रिकॉर्ड बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। इससे पहले उनका पर्सनल बेस्ट 7.67 मीटर था।

तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन– शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।

आठ इवेंट के बाद चौथे पर थे तेजस्विन– दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन– विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

तेजस्विन ने भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था

हांगझोउ एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता 27 वर्ष के तेजस्विन कनाडा के डेमियन वार्नर से पिछड़ गए जिन्होंने 8036 अंक लेकर रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर ने 8096 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेजस्विन ने 9वीं स्पर्धा भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था। 1500 मीटर में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उसे बरकरार रखा।

नीरज चोपड़ा को रजत से करना पड़ा संतोष

- यशवीर ने 4 एथलीटों को पछाड़ ब्रॉन्ज झटका

नई दिल्ली। भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यशवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 4 एथलीटों को पछाड़ा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन 28 वर्ष के नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर थ्रो फेंका जो दूसरे स्थान पर रहने के लिये काफी था। वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

सातवें से तीसरे पर पहुंचे यशवीर– राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। वह पांचवें दौर के बाद 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से सातवें स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास जबर्दस्त रहा। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले यशवीर छठे पर थे। वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वालकॉट ने 82.55 मीटर का थ्रो किया और भारतीय एथलीट सातवें पर पहुंच गया।

रूमेश थरंगा पथिरागे ने स्वर्ण जीता

श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता। बेहद सर्दी और तेज हवाओं के प्रदर्शन उनका यह प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंन जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था।

अरशद नदीम 3 दौर के बाद बाहर– भारत के रोहित यादव 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे। वह कुछ देर के लिए तीसरे नंबर पर रहे, 81.56 मीटर के थ्रो के बाद काफी संघर्ष करते दिखे। पाकिस्तान के गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 77 .41 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदार और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट छठे स्थान पर रहे ।

हर्ष-अस्मिता गोल्ड, यामिनी ने जूडो में जीता सिल्वर

भारत के 20 पदक पूरे, 10वें दिन 13 मेडल दांव पर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 20 मेडल पूरे हो गए हैं। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के गोल्ड के बाद 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्या इंग्लैंड की असेल्या टोपरैक से हार गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा है। भारत को 9वें दिन जूडो में दो गोल्ड और एक सिल्वर मिला और कुल पदकों की संख्या 20 तक पहुंच गई। नीरज चोपड़ा के मुकाबले का हालांकि, सभी को इंतजार है। अब 10वें दिन की बात करें तो 13 मेडल दांव पर होने वाले हैं। वहीं बॉक्सिंग में भारत के पांच फाइनल मुकाबले होंगे। प्रीति पवार, अरुंधति चौधरी, जदुमणि सिंह, अंकुश पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के फाइनल मुकाबले 10वें दिन 1 अगस्त 2026 को होंगे। यानी भारत को पांच मेडल बॉक्सिंग में मिल सकते हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी गोल्ड मेडल दांव पर होंगे।

बॉक्सर अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया।

उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मिनट में दूसरा गोल्ड

प्रीति के बाद जैस्मिन ने बॉक्सिंग का फाइनल जीता

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है।वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

जसपाल राणा से अभिवन बिंद्रा तक...

12 भारतीयों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 5 से ज्यादा मेडल, पांच ओलंपिक मेडलिस्ट भी बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन 5 या उससे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारतीय खिलाड़ियों ने वैसे तो कॉमनवेल्थ गेम्स में कई प्रतियोगिताओं में मेजल जीतने का कमाल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा सफलता भारतीय खिलाड़ियों को शूटिंग में ही मिली है और आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

जसपाल राणा ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक– कॉमवेल्थगेम्स गेम्स के इतिहास में ऐसे कौन-कौन खिलाड़ियों हैं जिन्होंने भारत के लिए 5 या उससे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल किया है हम ऐसे 12 खिलाड़ियों का जिक्र करने जा रहे हैं और यही नहीं इन 12 खिलाड़ियों में 5 ऐसे भी हैं जिन्होंने ओलंपिक में भी देश के लिए मेडल जीते हैं। कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा ने किया था जिन्होंने कुल 15 पदक अपने नाम किए थे जिसमें 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रान्ज मेडल शामिल थे। हालांकि राणा कभी देश के लिए ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाए थे।

समरेश जंग ने भी लहराया परचम– समरेश जंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में अपना परचम जब-जब मौका मिला लहराया और उन्होंने कुल 14 पदक देश के लिए जीते थे जिसमें 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल थे। हालांकि समरेश भी कभी ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत पाए। भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर अचंता शरत कमल ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में अपना लोहा मनवाया था और 13 पदक इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में कुल 7 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। गगन नारंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 10 मेडल जीते थे और उन्होंने 2012 ओलंपिक में भी देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने का कमाल किया था।

अभिनव बिंद्रा के नाम कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 7 पदक– भारतीय शूटिंग के सरताज अभिनव बिंद्रा ने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में देश के लिए कुल 7 मेडल जीतने का कमाल किया था जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल थे तो वहीं अभिनव ने साल 2008 ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया था। शूटर तेजस्विनी सावंत ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए कुल 7 मेडल जीते थे जबकि विजय कुमार ने 6 मेडल जीतने का कमाल किया था और विजय ने 2012 ओलंपिक में भी भारत के लिए सिल्वर जीता था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3966

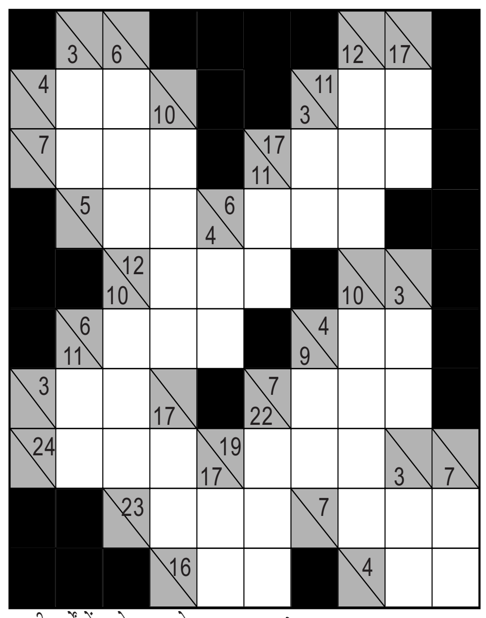

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

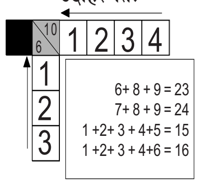

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3965 का हल

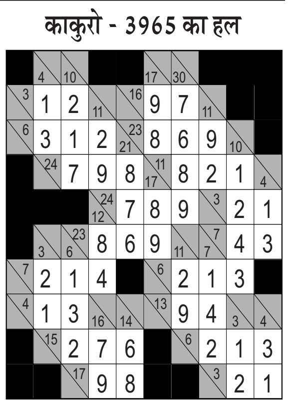

लॉफिंग जौन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3966

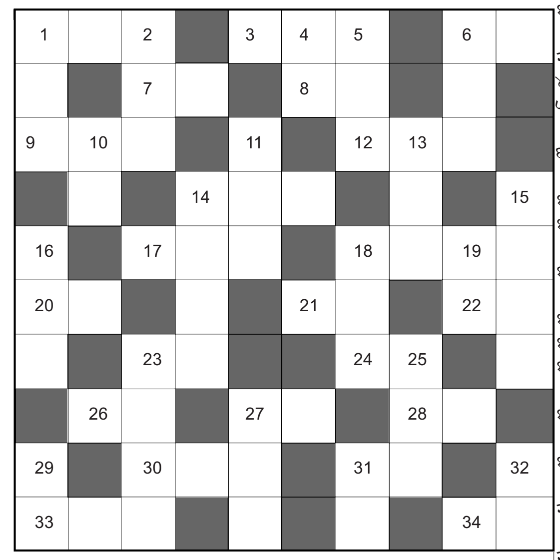

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और कांटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3965

सूडोकु -3966

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3965 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3966

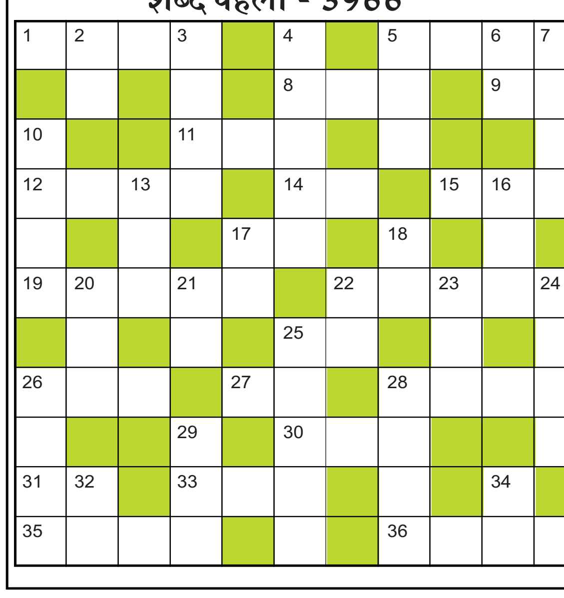

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3965 का हल

काबुली चना विद ग्रीन ग्रेवी

सामग्री: 200 ग्राम उबले हुए काबुली चने, 2 बारीक कटे हुए प्याज, डेढ़ टीस्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

ग्रीन ग्रेवी के लिए: डेढ़ कप कटा हुआ पालक, 1 कप मटर, डेढ़ टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट, आधा टीस्पून खानेवाला सोडा।

विधि: काबुली चने को उबालकर अलग रख लें। पालक, मटर व मिर्ची को सोडा डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में थोड़ा-सा तेल डालें और अदरक का पेस्ट व कटे हुए प्याज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें ग्रीन पेस्ट डाल दें। 5 मिनट तक भूनें। उबले हुए काबुली चने व नमक डालकर पकाएं। गरमा गरम सर्व करें।

मां की बदलती छवि

एक बच्चा जन्म लेने जा रहा था। उसने भगवान से पूछा, आप मुझे कल नीचे पृथ्वी पर भेज रहे हैं, मैं इतना छोटा और असहाय हूं, वहां जाकर कैसे रहूंगा?

भगवान बोले, बहुत सारी परियों में से एक परी मैंने तुम्हारे लिए चुनी है। वही तुम्हारी देखभाल करेगी। पर मुझे बताइए, मेरे साथ वहां क्या होगा, मैं वहां क्या करुंगा? यहां स्वर्ग में मैं कुछ नहीं करता, हंसने और गाने के सिवाय, इसी से मुझे खुशी मिलती है।

वह परी तुम्हारे लिए हर दिन गाएगी व मुसकराएगी, तुम्हारी हर खुशी का खयाल रखेगी और धीरे-धीरे तुम्हें नया भी बहुत कुछ सिखाएगी।

वहां के लोगों की भाषा व बात मैं कैसे समझूंगा?

वह परी तुम्हें मधुर शब्दों में सब समझाएगी और तुम्हें बोलना भी सिखाएगी। और जब मैं आपसे बात करना चाहूंगा तो क्या करूंगा? वह परी तुम्हें हाथ जोड कर मेरी प्रार्थना करना सिखाएगी, जिससे सीधे न सही, पर भावनात्मक स्तर पर हमारी-तुम्हारी बातचीत होगी जरूर।

मैंने सुना है कि पृथ्वी बुरे आदमियों से भरी पडी है, मेरी रक्षा कौन करेगा?

वह परी अपनी जान पर खेल कर भी तुम्हारी रक्षा करेगी। आपको देख न पाने के कारण, आपके बारे में जान न पाने के कारण मैं उदास हुआ तो..। वह ही मेरे बारे में तुम्हें बताएंगी। सब तरफ से हार जाने पर बच्चा समझ गया कि उसका नीचे जाना तय है। हार कर उसने पूछा कि भगवन, मैं जा रहा हूं, पर जिसके पास जा रहा हूं, आप मुझे उस परी का नाम तो बता दीजिए। उसका नाम बहुत मायने नहीं रखता, पर तुम उसे मां बुला सकते हो। यह है मां बच्चे के बीच की असली कहानी। यह सच है कि एक बच्चे के नजरिए से देखें तो सदियों पहले का बच्चा हो या आधुनिक बेबी, भारत में जन्म लिया हो या अमेरिका जैसे हाई-फाई शहर में या पिछडे हुए किसी गांव में, उसकी जरूरतें समान होती हैं।

मां की भूमिका

बच्चे की पहली सहायक, पहली अध्यापिका, पहली ट्रेनर, पहली दोस्त, पहली मार्गनिर्देशक मां ही होती है। वह ही सब कुछ सिखाती है बच्चे को। अंतर केवल इतना आया है कि बच्चे की जरूरतों व आवश्यकताओं को पूरा करने के तरीके जरूर बदल गए हैं। उन्हें आराम से रखने के तरीके, उनको सुविधाएं देने के तरीकों में बदलाव आया है। मां आज बच्चों के आराम का खयाल दूसरे ढंग से रखती हैं, उनकी सुविधाओं की चिंता का तरीका भी उनका अलग है।

कुछ बातें काम की

- अमरूद का सेवन पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करता है।
- खजूर का सेवन शरीर को दृढ़ता प्रदान करने के साथ-साथ कमर दर्द की समस्या का भी समाधान करता है।
- हरे धनिए का सेवन स्तन व लिवर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।
- अनार का सेवन गंदी जीभ की समस्या का समाधान करता है।
- लहसुन का सेवन, गैस की समस्या का समाधान करता है।
- भोजन के उपरांत एक कच्चे प्याज का नियमित सेवन कब्ज के रोगी को स्वस्थ करता है।
- कलौंजी का सेवन या फिर इसका पेट पर लेप करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

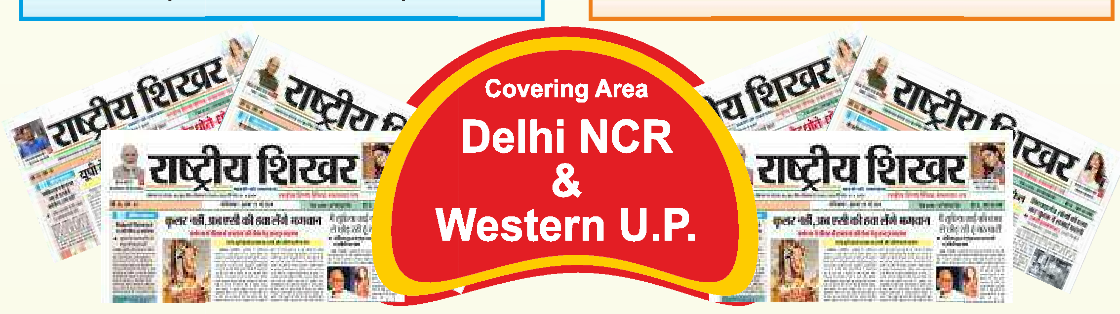

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

द इंडिया... का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तळपदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टबिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्टिपटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

विद्या बालन की चर्चित फ्रैंचाइजी 'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

गोविंदा वाली कॉमेडी फिर लौटानी है

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं। मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'छत्रपझ्रति शिवाजी महाराज' में हुई भूमि पेडनेकर की एंट्री

'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की एंट्री हो गई है। जानिए भूमि इस फिल्म में किसका किरदार निभाएंगी। साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रसे भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेकर्स ने इसकी घोषणा की।

बेलवाडी मल्लम्मा के किरदार में होंगी भूमि

फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीन में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लोग अब भी लापता

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन में इस महीने हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि जमीन पर चलाया जा रहा खोज अभियान समाप्त कर दिया गया है, जबकि 10 लोग अब भी लापता हैं। प्रशासन के अनुसार, वुजियांग नदी में ड्रेजिंग और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। यह हादसा 17 जुलाई को चोंगकिंग के पेंगशुई काउंटी में हुआ था, जहां पहाड़ी से गिरी चट्टानों और मलबे ने 10 से अधिक आवासीय इमारतों और एक मिनीबस को अपनी चपेट में ले लिया था। इस दुर्घटना में 10 लोग घायल हुए थे, जिनमें से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। प्रशासन ने बताया कि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और प्रभावित इलाके में यातायात जल्द बहाल होने की उम्मीद है। नदी में लापता लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों और पानी के भीतर काम करने वाले रोबोट की मदद ली जा रही है।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फेल :49-50 वोट से गिरा, ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सीमित करने वाला प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए गुरुवार को वोटिंग हुई, जिसमें यह 49-50 के अंतर से खारिज हो गया। पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अभी यह विधेयक सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी समिति में अटका हुआ है। प्रस्ताव लाने वाले सांसद चाहते थे कि इसे पूरे सीनेट में चर्चा और वोटिंग के लिए पेश किया जाए। अब इसे पूरे सीनेट में लाने के लिए सांसदों को दोबारा कोशिश करनी होगी। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ जाता, तो ईरान के खिलाफ हमले शुरू करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति अकेले ऐसा फैसला नहीं ले सकते थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया ईरान हमलों के बाद विपक्षी सांसद लगातार मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद की मंजूरी से ही हो।

ट्रम्प का दावा- हमास-इजराइल में पीस एग्रीमेंट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। उनके मुताबिक, हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। ट्रम्प ने इस समझौते के लिए मिस्र, कतर और तुर्किये का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन देशों और अमेरिकी टीम की लगातार कोशिशों से दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ सकी। ट्रम्प ने कहा यह डील अमेरिका के 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी। इसके लिए बड़ी तैयारी और तालमेल की जरूरत होगी। नई फिलिस्तीनी सरकार को समर्थन चाहिए- गाजा का प्रशासन नई तकनीकी फिलिस्तीनी सरकार संभालेगी।

स्पेन में बेकाबू हुए हालात, समंदर के रास्ते घुसे हजारों लोग; 18 मौतों के बाद स्यूटा में सेना की एंट्री

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी तट पर स्थित छोटे से शहर स्यूटा में इन दिनों गंभीर मानवीय और सुरक्षा संकट पैदा हो गया है। बेहतर भविष्य की तलाश में मोरक्को से हजारों प्रवासियों ने अवैध रूप से सीमा पार कर स्पेन में प्रवेश किया है। इस भगदड़ और समुद्र पार करने के खतरनाक प्रयास में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई है कि स्पेन सरकार को बॉर्डर पर कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। स्यूटा सीमा पर तैनात सिविल गार्ड अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अराजक है। प्रवासियों की संख्या इतनी अधिक है कि सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल हो रहा है, लेकिन हजारों की भीड़ लगातार सीमा पार कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में बड़ी संख्या में लोग, जिनमें ज्यादातर मोरक्को के युवा पुरुष हैं, तराजाल समुद्र तट के रास्ते स्थानीय सड़कों पर आते दिखाई दे रहे हैं।

पाकिस्तान की कोयला खदान में बड़ा हादसा, धमाके में 32 मजदूरों की मौत; 10 अब भी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति बेहद गंभीर मानी जा रही है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

धमाका कैसे हुआ : सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने के कारण हुआ। हादसे के कुछ घंटों बाद पहले सात मजदूरों के शव निकाले गए, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। गनी बलोच ने बताया कि राहत अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे मजदूरों का पता नहीं चल जाता। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है, जिससे किसी के जीवित मिलने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी वजह से बचाव दल भी बेहद सावधानी के साथ अंदर आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार ने क्या कहा : बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि राहत दल बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और प्रांतीय सरकार बचाव कार्य में हरसंभव मदद कर रही है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे। नोशेरवानी ने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

क्या लापरवाही हादसे की वजह बनी : कोयला खदान मजदूर यूनियन ने आशंका जताई है कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम हो सकता है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्या पाकिस्तान में ऐसे हादसे आम हैं : पाकिस्तान के कोयला खनन उद्योग, खासकर बलूचिस्तान में, ऐसे हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं। कई खदानों में पर्याप्त वेंटिलेशन, गैस मॉनिटरिंग सिस्टम और अन्य बुनियादी सुरक्षा उपायों का अभाव बताया जाता है। मजदूर संगठनों का लंबे समय से आरोप रहा है कि खदान मालिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराते। इसके बावजूद, कम मजदूरी और जोखिम भरे माहौल में भी हजारों लोग अपनी आजीविका के लिए इसी उद्योग पर निर्भर हैं। खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार इस जानलेवा धमाके के कुछ घंटों बाद 7 खनिकों के शव बरामद कर लिए गए। अधिकारियों का मानना है कि खदान के अंदर यह बड़ा धमाका मीथेन गैस जमा होने की वजह से हुआ था। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य आपातकालीन दल तेजी से अपना बचाव अभियान चला रहे हैं। खदान के अंदर मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है।

बचाव कार्य लगातार जारी : ऑक्सीजन खत्म होने के कारण फंसे हुए खनिकों के जीवित बचने की संभावना काफी ज्यादा कम हो जाती है। इसके बावजूद बचावकर्मी खदान के अंदर बहुत ही ज्यादा सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि खनिक जमीन के नीचे कितनी गहराई में काम कर रहे थे। लेकिन उनका कहना है कि जब तक सभी 41 खनिक नहीं मिल जाते, तब तक यह बचाव अभियान जारी रहेगा। बलूचिस्तान हादसे के अलावा बुधवार रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आतंकी हमला हुआ है। अफगान सीमा के पास मौजूद हंगू जिले में एक पुलिस चेकपॉइंट पर घात लगाकर अचानक हमला किया गया। हमलावरों ने पुलिस पोस्ट को निशाना बनाने के लिए पहले विस्फोटक से लदे हुए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। इसके बाद सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटों तक भारी गोलीबारी चलती रही। इस भीषण गोलीबारी में 11 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई और 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में डिप्टी सुपरिटेंडेंट दियार खान भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया सीमा पर भटका अमेरिकी सैन्य ड्रोन; उत्तर कोरियाई सीमा के पास हड़कंप, इलाके कराए गए खाली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार को एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन सीमा क्षेत्र में पहुंच गया, जिसके बाद दक्षिण कोरियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एहतियात के तौर पर उत्तर कोरिया से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत और चेओरवोन क्षेत्र के कुछ इलाकों को खाली कराया गया तथा स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। शुरुआती जांच में दक्षिण कोरियाई सेना ड्रोन की पहचान नहीं कर सकी, जिससे कुछ समय के लिए आशंका बनी रही कि कहीं यह उत्तर कोरिया से तो नहीं आया।

बाद में संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि यह अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) था, जो द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण में शामिल था। अमेरिकी सेना और दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन निर्धारित मार्ग से कैसे भटका। फिलहाल किसी तरह के नुकसान या सुरक्षा उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, घटना ने कोरियाई सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाद में यूएस मरीन ड्रोन होने की पुष्टि : दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के अनुसार पता चला की उत्तर कोरिया की सीमा से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत में एक जनरल आउटपोस्ट के दक्षिण में यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का पता चला था। बाद में इसकी पहचान यहां तैनात यूएस मरीन कॉर्प्स के एक मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। वहीं दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया आगे की जांच-पड़ताल के बाद, इस यूएवी की पहचान ट्रेनिंग में शामिल यूएस मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई।

सीमा क्षेत्र में दिखा अमेरिकी ड्रोन : योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद तय प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशनल कदम उठाए गए। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि यह उनका ही ड्रोन था और कहा कि वे स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास के दौरान हुई घटना : वहीं यूएसएफके ने दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम लेते हुए कहा यह घटना यूएस मरीन और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के फर्स्ट मरीन डिवीजन के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण के दौरान हुई। उन्होंने आगे कहा, 'यूएस मरीन कॉर्प्स के कर्मी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के हमारे सहयोगियों और संबंधित स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क साधे हुए हैं। बता दें कि इससे पहले दिन में, सोल से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में, उत्तर-दक्षिण कोरियाई सीमा के साथ बफर जोन के पास चेओरवोन में एक अलर्ट जारी किया गया था।

आस्ट्रेलियाई एयरलाइन के विमान से आसमान में अब सबसे लंबा सफर...बिना रुके सिडनी से सीधे लंदन

सिडनी, एजेंसी। अगले साल से शुरू होने जा रही सबसे लंबी कमर्शियल फ्लाइट (आस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास का विमान) बिना रुके 22 घंटे की यात्रा कराएगा। यह लगभग 18,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने में सक्षम है। एयरबस ए350-1000यूएलआर (अल्ट्रा लॉन्ग रेंज) में लंबी दूरी की उड़ानों के मुकाबले अतिरिक्त 20,000 लीटर का एक्स्ट्रा फ्यूल टैंक लगाया गया है। एशिया, मिडिल ईस्ट या नॉर्थ अमेरिका में होने वाले लंबे ट्रांजिट को खत्म करके यात्री बिना रुके सीधे अपनी मंजिल पर पहुचेंगे और उनके सफर के 4 घंटे की बचत होगी। बता दें कि एयरबस दो महीने के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत जून से ही इस एयरक्राफ्ट की टेस्टिंग कर रही है।

सामान्य विमानों में जहां 300 से अधिक सीटें होती हैं, वहीं क्वांटास के इस विमान में केवल 238 सीटें ही रखी गई हैं। कम सीटों के होने से विमान का वजन संतुलित रहते और यात्रियों को पैरों फैलाने के लिए अधिक स्पेस, स्ट्रेटिंग स्पेस व आरामदायक केबिन मिलेगा। यात्रियों की सेहत का ध्यान रखते हुए इसमें वेलबीइंग जोन बनाया गया है, जहां यात्रियों के टहलने, स्ट्रेचिंग करने और हल्के-फुल्के रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक (सर्काडियन रिदम) को ठीक बनाए रखने और जेट लैग के असर को कम करने के लिए केबिन में सनराइज और सनसेट जैसे 12 अलग-अलग प्रोग्रामेबल लाइटिंग थीम्स दी गई हैं। यह विमान शक्तिशाली और बेहद ईंधन-दक्ष रोल्स-रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन से संचालित है। अभी दुनिया की सबसे लंबी शेड्यूल्ड कमर्शियल पैसेंजर सर्विस सिंगापुर एयरलाइंस का सिंगापुर और न्यूयॉर्क के बीच नॉन-स्टॉप रूट है, जो 18 घंटे से कुछ ज्यादा समय में लगभग 15,350 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जरूरी मिनरल्स पर नियंत्रण सख्त करने का लिया फैसला, डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट किया लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल्स और मटीरियल पर नियंत्रण सख्त कर दिया है। इससे कॉमर्स डिपार्टमेंट को देश की रक्षा के लिए जरूरी मानी जाने वाली घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार मिल गया है। गुरुवार को वाणिज्य सचिव को जारी किए गए प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन में राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया कि रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल (सीएमएम) देश की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इम्पोर्टेड सप्लाई पर अमेरिका की निर्भरता एक बढ़ता हुआ सुरक्षा खतरा बन गई है। इस फैसले में कहा गया है कि अमेरिका की सीएमएम की कम सप्लाई से हमारे देश की सुरक्षा और बचाव को खतरा बढ़ रहा है। देश विदेशी सोर्स से कुछ सीएमएम के इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है और इस निर्भरता से सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा है। मेमोरेंडम में कहा गया, 'यह जरूरी है कि अमेरिका रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत वाणिज्य सचिव को रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल पर एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार दिया है। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में कहा गया है कि इस फैसले से यह नतीजा निकलता है कि सीएमएम देश की रक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं, खासकर मिलिट्री प्रोडक्शन, इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और नेशनल सिक्योरिटी के मामले में। इसमें यह भी पाया गया है कि अमेरिका कुछ जरूरी चीजों के लिए विदेशों से इम्पोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिससे सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा पैदा होता है। राष्ट्रपति का फैसला वाणिज्य सचिव को रेगुलेशन, नियम, निर्देश और प्रक्रिया जारी करके आदेश को लागू करने का अधिकार देता है। यह फैसला फेडरल रजिस्टर में भी पब्लिश किया जाएगा। सरकार ने कहा कि अमेरिका के पास पहले से ही स्थायी मैग्नेट और लिथियम-आयन बैटरी जैसे तैयार प्रोडक्ट्स में लगे जरूरी मिनरल्स की काफी मात्रा है। जब ये प्रोडक्ट्स अपनी लाइफ साइकिल के आखिर में पहुंच जाते हैं तो इन मटीरियल्स को इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए वापस लिया जा सकता है और रीसायकल किया जा सकता है। व्हाइट हाउस ने कहा कि ये मटीरियल्स जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स के काम करने के तरीके, सुरक्षा और मजबूती को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसमें यह भी कहा गया कि जरूरी मिनरल डिफेंस सप्लाई चेन में आम हैं और एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम में जरूरी इनपुट हैं जो तकनीकी तौर पर बेहतरी, ऑपरेशनल तैयारी और उच्च प्रदर्शन वाले सैन्य उपकरण की एक सीरीज को सपोर्ट करते हैं।'

डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के सेक्शन 101 के तहत राष्ट्रपति ट्रंप ने तय किया कि रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम देश की रक्षा के लिए जरूरी दुर्लभ और जरूरी मटीरियल हैं। उन्होंने आगे पाया कि इन मटीरियल के लिए देश की रक्षा की जरूरतें सिविलियन मार्केट में ऐसे मटीरियल के नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन में इतनी बड़ी गड़बड़ी पैदा किए बिना पूरी नहीं की जा सकतीं कि काफी मुश्किल हो जाए।

यूरोप की खुली सीमाओं पर संकट: इतालवी प्रधानमंत्री ने दी शेंगेंन समझौते को रद्द करने की धमकी

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। इसमें जरूरत पड़ने पर स्पेन के साथ शेंगेन समझौते को निलंबित करना भी शामिल है। उनका यह बयान स्पेन के स्यूटा क्षेत्र में प्रवासियों की संख्या में अचानक आई बढ़ोतरी के बाद आया है।

पीएम मेलोनी ने क्या चेतावनी दी त पीएम मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि स्यूटा से सामने आ रही तस्वीरें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि अनियंत्रित अवैध प्रवासन यूरोप की सीमाओं की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने इटली के गृह मंत्री मत्तेओ प्यान्तेदोसी से सीधे बात की है और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की बैठक बुलाई गई है, ताकि औपचारिक जवाबी कार्रवाई पर फैसला किया जा सके। इतालवी पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि उनकी सरकार सीमा पर बन रहे हालात को देखते हुए चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय बैठकों के फैसले के आधार पर इटली अपनी सीमाओं की रक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने को तैयार है। उन्होंने खासतौर से स्पेन के साथ खुले सीमा वाले शेंगेन समझौते को निलंबित करने का विकल्प भी बताया। मेलोनी ने दोहराया कि उनकी सरकार अवैध प्रवासन के खिलाफ सख्त नीति पर कायम है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता सीमाओं की सुरक्षा, मानव तस्करी के गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अवैध प्रवासियों को जल्दी वापस भेजना है।

स्यूटा में क्यों बढ़ा संकट : उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में सीमा संकट तेजी से बढ़ रहा है। स्यूटा की मोरक्को के साथ जमीनी सीमा लगती है। पोलिटिको के अनुसार, बुधवार से हजारों प्रवासी इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। इससे स्थानीय प्रशासन पर भारी दबाव पड़ गया है और सीमा प्रबंधन को लेकर स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की आलोचना तेज हो गई है। स्यूटा के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बुधवार को समुद्री मार्गों से लगातार पहुंच रहे प्रवासियों को लेकर चेतावनी जारी की। स्यूटा के क्षेत्रीय प्रमुख जुआन जीसस विवास ने स्थिति को 'पूरी तरह मानवीय और सामाजिक आपातकाल' बताया। उन्होंने मैड्रिड की केंद्र सरकार से तुरंत दखल की मांग की। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि उनकी सरकार मोरक्को के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। उन्होंने जल्द सरकारी कार्रवाई का भी भरोसा दिया। सांचेज पर राजनीतिक दबाव उस समय और बढ़ गया, जब स्पेन के सुप्रीम कोर्ट ने समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों को तुरंत वापस भेजने पर रोक लगाने वाला फैसला दिया। इस संकट के कारण प्रधानमंत्री की देश के भीतर भी तीखी आलोचना हो रही है।

ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में हिंसा पर जताई चिंता, तनाव तुरंत कम करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती अशांति को लेकर कई ब्रिटिश सांसदों ने गंभीर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, आवाजाही पर पाबंदियों और संचार व्यवस्था ठप होने की खबरों के बीच आम नागरिकों के हताहत होने और घायल होने की भी खबरें आ रही हैं। ब्रैडफोर्ड के सांसद इमरान हुसैन और ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और 50 से अधिक सांसदों ने पीओके के हालात को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हुसैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कश्मीर पर एपीपीजी के चेयरमैन के तौर पर 50 से अधिक सांसदों के साथ मिलकर हमने मौजूदा हालात के बारे में विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हम तनाव के गंभीर रूप से बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं, खासकर हालिया खबरों को लेकर जिनमें गोलीबारी से लोगों की मौत और घायल होने की बात कही गई है।'

हुसैन ने कहा कि कई ब्रिटिश कश्मीरी उस इलाके में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'कई ब्रिटिश कश्मीरी अपने परिवारों की सुरक्षा और भलाई को लेकर चिंतित हैं, जिससे हमारे समुदायों में काफी बेचैनी और परेशानी है।' उन्होंने कहा, 'यूके सरकार को तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी सही कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बातचीत के केंद्र में कश्मीरियों के बुनियादी मानवाधिकार होने चाहिए। ये बातें तब सामने आई जब गुरुवार को यूके के कई सांसदों ने पीओके में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की खबरों पर चिंता जताई। सांसद जारा सुल्ताना ने एक्स पर लिखा, 'कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा घातक बल प्रयोग की खबरें और वीडियो फुटेज बेहद परेशान करने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा, 'खबर है कि संचार व्यवस्था ठप होने के बीच कम से कम 30 लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हिंसा खत्म होनी चाहिए। संचार व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए, स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जानी चाहिए और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूके की एक और सांसद नादिया व्हिटोम ने कहा कि जून में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अधिकारियों ने सख्त संचार प्रतिबंध लागू कर दिया था।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा! 3 की जान जाने के बाद पीएम बालेन शाह ने की शांति की अपील

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच भड़की भारी सांप्रदायिक हिंसा से पूरे इलाके में गहरा तनाव पैदा हो गया है। सुनसरी जिले से रविवार को शुरू हुई यह भयंकर हिंसा अब सिराहा और धनुषा जिले तक पूरी तरह फैल गई है। इस हिंसक टकराव और पुलिस के साथ हुई भीषण झड़पों में अब तक कुल तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। यह स्थिति नेपाल सरकार के लिए बहुत ही ज्यादा चिंताजनक बन गई है।

देश के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने इस बेहद नाजुक स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने टेलीविजन पर अपने खास संबोधन में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घटना की निष्पक्ष जांच का पूरा भरोसा दिलाया। गृह मंत्रालय ने इस हिंसक घटना की गहराई से जांच के लिए तुरंत एक विशेष जांच समिति का भी गठन कर दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी घायल लोगों का मुफ्त और बेहतर इलाज करने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

कैसे भड़की यह भयंकर हिंसा : इस गंभीर हिंसा की मुख्य शुरुआत 26 जुलाई को सुनसरी जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा के दौरान हुई थी। श्रावण महीने में बोलबम पर्व के हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से पवित्र जल लेकर तेज डीजे संगीत के साथ आगे जा रहे थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस तेज संगीत पर भारी आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों पक्षों में भयंकर बहस शुरू हो गई। यह बहस और विवाद अचानक

से बहुत उग्र हो गया। देखते ही देखते यह छोटा सा विवाद धक्का-मुक्की और एक बहुत ही बड़े हिंसक टकराव में पूरी तरह से बदल गया। दोनों समुदायों के लोग लाठियां, पत्थर, बांस और लोहे की रॉड जैसे खतरनाक हथियार लेकर बहुत बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। स्थिति को बेकाबू होता देखकर पुलिस को मजबूरन सख्त हस्तक्षेप करना पड़ा जिसमें पुलिस की गोली लगने से एक युवक ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। इसके बाद पूरे इलाके में भयानक हिंसा भड़क उठी।

तीन निर्दोष लोगों की गई जान : पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई इस भीषण झड़प में अब तक तीन लोगों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है। इनमें जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और एक किशोर गणेश यादव का नाम आधिकारिक रूप से शामिल बताया गया है। सिराहा जिले में हुई हिंसक झड़प के दौरान गोली लगने से युवा गणेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना बहुत ही ज्यादा दुखद और खौफनाक है। वहीं जय प्रकाश मेहता और ओम प्रकाश मेहता की जान रविवार को सुनसरी में हुई भयानक पुलिस झड़प के कारण चली गई। इन मौतों के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है और कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुई हैं। हालात को तुरंत काबू में करने के लिए प्रशासन ने सिराहा और जनकपुरधाम के कई संवेदनशील इलाकों में सख्त कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस बल लगातार इन सभी प्रभावित क्षेत्रों में कड़ी गश्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री पर विपक्ष का भारी निशाना : नेपाल सरकार और प्रधानमंत्री बालेन शाह पर इस संकट के समय सही राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं देने का बहुत बड़ा आरोप लगा है। विपक्षी नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री ने स्थिति सुधारने के लिए कोई भी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों पूरी तरह से अनुपस्थित रहे। आलोचकों ने राष्ट्रपति को जानकारी न देने का भी गंभीर मुद्दा उठाया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अफवाहों को रोकने के लिए लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। गुरुवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की पूरी बारीकी से समीक्षा की गई। भारत की सीमा से लगे नेपाल के पर्सा जिले में भी एहतियात के तौर पर सख्त निषेधाज्ञा पूरी तरह से लागू कर दी गई है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)